

दैनिक

मीडियाऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पीड़ित बोली: कर्मचारी ने इस्लाम अपनाते, मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा, शिकायत की तो इस्तीफा लिया

पुणे,एजेंसी। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी।



इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

पीड़ित महिला ने कहा: अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया।

महिला बोली- ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार, सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे।

पंजाब के 5 मंदिरों को उड़ाने की धमकी

इनमें दुर्ग्याणा, काली माता, देवी तलाब मंदिर भी; लिखा- संत भिंडरावाले की शहादत पर लड़्डू बांटे थे

मोहाली,एजेंसी। पंजाब के 5 मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसमें दुर्ग्याणा मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, देवी तलाब मंदिर, माइसरखाना मंदिर, काली देवी मंदिर का नाम शामिल है। ईमेल में लिखा- दोपहर 1:11 से 3:11 बजे के बीच धमाके होंगे। 6 जून 1984 को गोल्डन टेम्पल पर हुए अटैंक बदला लेंगे। इसके अलावा चंडीगढ़ स्थित पंजाब सचिवालय को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। गुरुवार को सचिवालय के कंट्रोल रूम को एक ई-मेल मिला, जिसमें परिस्तर में बम होने का दावा किया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं।

सचिवालय और मंदिरों के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन शुरुआती जांच में कोई संश्लिध वस्तु नहीं मिली। वहीं, पुलिस और साइबर सेल की टीमें धमकी भरे ई-मेल की जांच में जुटी हैं। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ई-मेल किस आईडी से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग हैं।

समुद्र में बड़ेगी भारत की ताकत, नेवी में शामिल होंगे 4 स्वदेशी युद्धपोत और एक सर्व शिप



नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय नौसेना इस महीने अपने बड़े में पांच स्वदेशी हथियार को शामिल करने की तैयारी कर रही है। इनमें दो प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट, सर्वेक्षण पोत और दो पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान शामिल हैं। मेड इन इंडिया के तहत बने ये जहाज समुद्री सुरक्षा, युद्ध तत्परता और तटीय रक्षा को काफी मजबूत करेंगे।

ये इंटरेशन परिशोधित नौसैनिक ताकत को देश के भीतर ही डिजाइन और निर्माण करने की भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाते हैं, जिससे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम होगी। नौसेना में शामिल होने वाले पांच व्लेटफॉर्मों में से चार का निर्माण गार्डेन रोच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है। वहीं पांचवां जहाज, आईएनएस महेंद्रगिरि, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। औपचारिक रूप से चालू होने के बाद, स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस महेंद्रगिरि, सर्वेक्षण पोत संशोधक और एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रय और मालवन नौसेना को उन्नत स्टील्थ, बेहतर पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताएं और उन्नत महासागर निगरानी प्रदान करेंगे।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगी क्षमता
आईएनएस दूनागिरी जीआरएसई द्वारा निर्मित प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट है। यह युद्धपोत आधुनिक सेंसर, परिष्कृत हथियार प्रणालियों और नेटवर्क-केंद्रित युद्ध सुविधाओं से लैस है। आईएनएस महेंद्रगिरि भी इसी श्रेणी का दूसरा प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट है।

दोनों युद्धपोत स्वदेशी युद्धपोतों की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनका उद्देश्य भारत की समुद्री शक्ति को बढ़ाना, युद्धक पहुंच बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ब्लू-वाटर क्षमताओं का विस्तार करना है। ये दोनों ही पोत सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल, बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, शुरुआती खतरे का पता लगाने और ट्रैकिंग के लिए शक्तिशाली एमएफ-स्टार एईएसए रडार, और आधुनिक टॉरपीडो द्यूब एंव रॉकेट लॉन्चर्स से लैस होंगे।



मुजफ्फरपुर,एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के ICU में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद ICU में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्टैंचर से बाहर ले जाते दिखे। ICU वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई। दमकलकर्मियों ने ICU और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। तीन मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक की पहचान नहीं हो पाई है।

सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से हादसे पर सवाल किया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा भी थे। दोनों आज दिल्ली के निकल गए। हालांकि एक घंटे बाद निशांत ने हादसे पर दुख जताया।

93 साल की मरीज ने आग लगने की जानकारी दी: चश्मदीनों का आरोप है कि, मौत का आंकड़ा छिपाने के लिए

बिहार के मुजफ्फरपुर में हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

● खिड़की-दरवाजे तोड़कर मरीजों का रेस्क्यू ● हादसे पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने साधी चुप्पी

बेड पर लोग छटपटा रहे थे, स्टाफ भाग गया... स्थानीय निवासी धीरज गिरी ने बताया, ‘मैं अस्पताल की छत पर सो रहा था। अचानक चिल्लाने की आवाज आई। नीचे आकर देखा तो लोग जान बचाने के लिए छटपटा रहे थे। कुछ लोग अस्पताल के स्टाफ को डांट रहे थे। वार्ड में धुआं इतना ज्यादा था कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।’ परिजन का ये भी आरोप है कि आग लगने के बाद अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी मरीजों को तड़पता छोड़कर भाग गए।

दिल्ली होटल आग, मालिक बोला- डरकर भागा

जलती इमारत के पास से गुजर था, किसी को बचाया नहीं; 21 जानें गईं थी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित पलरिश होटल में लगी आग मामले में गिरफ्तार मालिक लवकेश बजाज ने पूछताछ में चौकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया।



ललित मोदी बोले: मैं भगोड़ा नहीं, पूरी दुनिया घूम रहा

भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी, आप उनसे पंगा नहीं ले सकते

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने कहा कि उनके लिए भगोड़े शब्द का इस्तेमाल मीडिया की तरफ से इस्तेमाल किया गया। उनके खिलाफ आज तक कोई केस नहीं हुआ है।न्यूज एजेंसी को गुरुवार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने आगे कहा कि मैं बिल्कुल भी नहीं भाग रहा हूं। मैं पूरी दुनिया में घूम रहा हूं। अगर मैं भाग रहा होता, तो आप मुझे कहीं न कहीं पकड़ ही लेते। भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी है। आप भारत सरकार से पंगा नहीं ले सकते। और मेरा ऐसा कोई



इरादा भी नहीं है।आईपीएल को लेकर उन्होंने कहा कि मैं इसको लेकर हमेशा से पैसेन्ट रहा। आखिरकार आईपीएल मेरे बच्चे जैसा है। मैं भले ही उससे जुड़ा हूं या नहीं, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मेरे पिता अच्छे बिजनेसमैन थे लेकिन आज मेरे परिवार को ललित मोदी की वजह से जाना जाता है।

पीएम मोदी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज से की मुलाकात



नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज से मुलाकात की। नेताओं की यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई। संभावना जताई जा रही है कि दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला संबंधों के कई आयामों पर चर्चा की। इनमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मानसून केरलम पहुंचा, इस बार 3 दिन लेट

7 दिन तक भारी बारिश का अनुमान; म.प्र.-राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल/जयपुर/ देहरादून,एजेंसी। मानसून की केरलम में एंटी हो गई है। इसके अस्पर से केरलम के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले 7 दिन भारी बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिन में मानसून पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है।

17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।



13 साल में 7वीं बार लेट हुआ मानसून
मानसून की लेट-लतीफी पिछले कई सालों से जारी है। पिछले 13 साल में यह 7वीं बार है जब मानसून लेट हुआ है। IMD के आंकड़ों के मुताबिक बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें अलग-अलग रही हैं।

तमिलनाडु सरकार का सख्त एवशन, 155 खदानों में गड़बड़ी मिलने के बाद ड्रोन से निगरानी की तैयारी

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के भूविज्ञान और खनन विभाग ने राज्यभर में खदानों की निगरानी के लिए उन्नत तकनीक से लैस ड्रोन का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। हाल ही में किए गए निरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया।

नियमों के उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए अभियान शुरू:यह फैसला पिछले सप्ताह प्राकृतिक संसाधन विभाग की ओर से किए गए औचक निरीक्षणों के बाद लिया गया। इन निरीक्षणों में राज्य के अलग-अलग जिलों की 155 खदानों में



अनिश्चितताएं पाई गईं।अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन आधारित निगरानी से अवैध खनन पर रोक लगाने और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। प्राकृतिक संसाधन मंत्री

टी.के. प्रभु ने खुद तेनकासी, कन्याकुमारी, विरुधुनगर और मदुरै जिलों की खदानों का निरीक्षण किया। यह अभियान खनन क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए चलाया गया था।



भोपाल,एजेंसी।भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने की कवायद एक कदम और आगे बढ़ गई है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद (ईसी) ने बुधवार को संस्थान का

नाम ‘वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय’ करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बाद प्रस्ताव राज्यपाल और कुलाधिपति मंगुभाई पटेल के पास भेज दिया गया है।ईसी की बैठक में तर्क दिया

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी का नाम वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय होगा

कार्य परिषद ने दी मंजूरी, राज्यपाल को भेजा प्रस्ताव ; अकादमिक दांचा भी बदलेगा

गया कि राजा भोज का नाम प्रदेश की ऐतिहासिक और बौद्धिक विरासत का प्रतीक है। इसी आधार पर विश्वविद्यालय को उनके नाम से जोड़ने की बात रखी गई।

सिर्फ नाम ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे में भी बदलाव तय किए गए हैं। अरबी और पर्शियन जैसे पारंपरिक विषयों को एक साथ लाकर ‘तुलनात्मक भाषा एवं

संस्कृति विभाग’ के रूप में पुनर्गठित किया जाएगा।किसी सरकारी विश्वविद्यालय का नाम बदलना सिर्फ घोषणा भर नहीं होता, बल्कि इसके लिए पूरी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। सबसे पहले विश्वविद्यालय की कार्य परिषद या एग्जीक्यूटिव काउंसिल में नाम परिवर्तन का प्रस्ताव रखा जाता है। परिषद से मंजूरी मिलने के

बाद यह प्रस्ताव राज्य के उच्च शिक्षा विभाग और फिर सरकार के पास भेजा जाता है।अधिकांश सरकारी विश्वविद्यालय राज्य सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियमों के तहत संचालित होते हैं, इसलिए नाम बदलने के लिए संबंधित कानून में संशोधन जरूरी है। इसके लिए विधानसभा में संशोधन विधेयक पेश किया जाता है। विधानसभा से विधेयक

पारित होने और राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद सरकार राजपत्र में अधिसूचना जारी करती है।अधिसूचना प्रकाशित होते ही विश्वविद्यालय का नया नाम आधिकारिक रूप से लागू हो जाता है। इसके बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट, डिग्री, प्रमाणपत्र, रिकॉर्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में नया नाम अपडेट किया जाता है।

ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी हाउस में पास

संसद की मंजूरी बिना सैन्य कार्रवाई पर रोक की मांग; ट्रम्प ने कहा था- जंग मेरा फैसला

तेल अविव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी,एजेंसी।अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान रोकने से जुड़ा प्रस्ताव पास कर दिया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य कार्रवाई जारी नहीं रख सकते।हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में यह प्रस्ताव 215-208 वोटों से पारित हुआ। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स के साथ वोट देकर ट्रम्प के खिलाफ रुख



अपनाया। प्रस्ताव के तहत ट्रम्प को ईरान के खिलाफ आगे की सैन्य कार्रवाई के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेनी होगी। मंजूरी नहीं मिलने पर अमेरिकी सैन्य बलों को वापस

बुलाने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव अब सोनेट में जाएगा। वहां मंजूरी मिलने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। हालांकि माना जा रहा है कि ट्रम्प इस प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। इससे पहले ट्रम्प ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा था कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई का फैसला उन्होंने खुद लिया था। उन्होंने कहा था, ‘किसी ने मुझे इसके लिए उकसाया या प्रभावित नहीं किया।

संभल दंगे- मारे गए शख्स के परिवार को जमीन दी

1978 में हत्या करके कुएं में लाश फेंक दी थी, मंत्री बोले- संभल आज आजाद हुआ

संभल,एजेंसी। संभल के 1978 के दंगा पीड़ित परिवारों को खाली कराई गई कब्रिस्तान की 3 बीघा जमीन पर बसाया जा रहा। गुरुवार को दंगा पीड़ित रामशरण रस्तोगी के परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन का पट्टा दिया गया।

मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा-

संभल में 48 साल पहले जिनके आशियाने जलाए गए, आज उनके आंसू पोछने आया हूं। न जाने कितनी पीढ़ियां इंतजार करते-करते गुजर गईं। भारत 1947 में आजाद हुआ था। लेकिन सही मायने में संभल आज के दिन आजाद हुआ है।

इसके पहले प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने रामशरण रस्तोगी की बहू रुक्मिणी को पट्टे की जमीन का प्रमाण-पत्र दिया। मंत्री ने रुक्मिणी



और उनके बेटे कपिल के साथ जमीन का भूमि-पूजन भी किया। कब्रिस्तान से खाली कराई गई जमीन कोतवाली क्षेत्र के शेर खां सराय गांव में टीले वाली मस्जिद के पास है। कार्यक्रम में मुरादाबाद कमिश्नर आनजनेय कुमार सिंह, डीएम अंकित खंडेलवाल और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई भी मौजूद थे।

पारित होने और राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद सरकार राजपत्र में अधिसूचना जारी करती है।अधिसूचना प्रकाशित होते ही विश्वविद्यालय का नया नाम आधिकारिक रूप से लागू हो जाता है। इसके बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट, डिग्री, प्रमाणपत्र, रिकॉर्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में नया नाम अपडेट किया जाता है।

राजस्थान के 9 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी बारिश और आंधी-तूफान की संभावना

जयपुर एजेंसी। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को राजस्थान के कई जिलों के लिए मौसम का अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले तीन घंटों के दौरान बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। बीकानेर, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़ और चित्तौड़गढ़ जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इन इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने और साथ में गरज-चमक के साथ आंधी आने की संभावना है, जबकि हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। विभाग ने लोगों को, विशेष रूप से खुले इलाकों में रहने वालों को, मौसम में हो रहे इस बदलाव के दौरान सतर्क रहने की



सलाह दी है। जहां एक ओर मौसम में इस अचानक बदलाव से मौजूदा गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं संवेदनशील इलाकों में खतरा पैदा कर सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने मौसम की इन बदलती परिस्थितियों का कारण इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को बताया है। इस

सिस्टम के कारण आने वाले दिनों में राजस्थान के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश होने की संभावना है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 4 जून से मौसम की स्थिति अस्थिर रहने की संभावना है, जिसमें बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर और कोटा संभागों के कुछ हिस्सों

में तेज आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरने की भी संभावना है। इस दौरान हवाएं और तेज हो सकती हैं साथ ही, कुछ इलाकों में इनकी रफ्तार 60-70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की भी उम्मीद है, जबकि पूर्वी राजस्थान के कुछ अलग-थलग इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं। बारिश और बादलों के छाए रहने से पूरे राज्य में तापमान में काफी गिरावट आने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले एक हफ्ते तक ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की संभावना है, जिससे भीषण गर्मी और लू से राहत मिलेगी। विभाग के रोजाना के पूर्वानुमान के मुताबिक, 5-6 जून को जयपुर, उदयपुर, अजमेर, भरतपुर और कोटा

संभागों के कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। 5 और 6 जून को बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 7 जून को जयपुर और भरतपुर संभागों के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश जारी रह सकती है।

साथ ही, 8 और 9 जून को पूरे राज्य में मौसम के ज्यादातर शुष्क रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने किसानों, वाहन चालकों और आम जनता को आंधी-तूफान, तेज हवाओं और ओले गिरने की स्थिति में सतर्क रहने की सलाह दी है। जहां एक तरफ यह बारिश आने वाले खरीफ सीजन की तैयारियों के लिए फायदेमंद हो सकती है वहीं तेज हवाएं और ओले कुछ इलाकों में खड़ी फसलों और बुनियादी ढांचे के लिए खतरा बन सकते हैं।

तेलंगाना हैदराबाद के हेलमेट बाजार में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की कई गाड़ियां

नई दिल्ली एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के अमीरपेट इलाके में शुक्रवार को एक व्यावसायिक हेलमेट बाजार में भीषण आग लग गई। आग को आसपास के इलाकों में फैलने से रोकने के लिए दमकल की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया। हैदराबाद पुलिस ने पुष्टि की है कि इस भीषण घटना में अब तक किसी के हाताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हैदराबाद के अग्निशमन अधिकारी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अमीरपेट के हेलमेट बाजार में अचानक आग भड़क उठी थी। सूचना मिलते ही दमकल की सात गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गईं।उन्होंने कहा कि इस घटना में फिलहाल किसी के घायल होने या जान जाने की कोई खबर नहीं है। घटना के संबंध में अधिक जानकारी की अभी प्रतीक्षा की जा रही है।

मासाब टैंक इलाके में भी भड़की थी आग: इससे पहले टैंक मुख्य मार्ग पर स्थित एक व्यावसायिक इमारत के गोदाम में भी भीषण आग लगने की घटना सामने आई थी। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया था। हालात पर काबू पाने और राहत कार्यों के लिए स्थानीय पुलिस और आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भी मौके पर मौजूद थीं।

फर्नीचर की दुकान में भी हुआ था हादसा: इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि 14 मई को एक अन्य घटना में हैदराबाद के



शुक्रवार को ही हैदराबाद के मासाब टैंक मुख्य मार्ग पर स्थित एक व्यावसायिक इमारत के गोदाम में भी भीषण आग लगने की घटना सामने आई थी। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया था। हालात पर काबू पाने और राहत कार्यों के लिए स्थानीय पुलिस और आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भी मौके पर मौजूद थीं।

फर्नीचर की दुकान में भी हुआ था हादसा: इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि 14 मई को एक अन्य घटना में हैदराबाद के

ही हयातनगर इलाके में एक फर्नीचर की दुकान में आग लग गई थी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई थी। दमकल अधिकारियों के अनुसार, सूचना मिलने पर दो दमकल गाड़ियां को मौके पर भेजा गया और लगातार प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया था। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत निरीक्षण के बाद ही सटीक कारण की पुष्टि हो सकेगी।

देहरादून में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दौसा हिंडौन के दो शातिर अपराधी गिरफ्तार



जयपुर/देहरादून एजेंसी। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के नयागांव इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ की खबर सामने आई है, जिसमें दून पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए राजस्थान के दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. जानकारी के मुताबिक नयागांव चौकी बैरियर पर पुलिस टीम द्वारा वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान वहां पहुंची राजस्थान नंबर की एक स्विफ्ट कार को जब पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया तो कार खबर बदमाशों ने रुकने के बजाय बैरियर में जोरदार टक्कर मार दी और गाड़ी को तेजी से सेलाकुई की तरफ भगा ले गए. पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए तत्काल कार का पीछा करना शुरू किया, जिसके बाद खुद को धिक्का देख बदमाश चांदनी चौक से भूरपुर की तरफ मुड़ गए और रामगढ़ के रफ्टे के पास अपनी कार छोड़कर नदी की तरफ पैदल ही भागने लगे. इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोलियां चलाई और इस क्रॉस फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई जबकि उसके दूसरे साथी को पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से ही दबोच लिया. मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश को पहचान 30 वर्षीय रिकू मीणा पुत्र सियाराम निवासी ग्राम अखरोट, तहसील मंडावर, जिला दौसा (राजस्थान) के रूप में हुई है, जिसे इलाज के लिए दून अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं पकड़े गए दूसरे आरोपी को पहचान 32 वर्षीय विनोद कुमार मीणा पुत्र रामलाल मीणा निवासी झारेड़ा, तहसील हिंडौन सिटी, जिला करौली (राजस्थान) के रूप में हुई है. एसएसपी प्रमोद सिंह डोवाल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घायल रिकू मीणा के खिलाफ राजस्थान में हत्या जैसे कई संगीन और गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं, वहीं विनोद मीणा का भी एक लंबा अपराधिक इतिहास रहा है. पुलिस ने बवमाशों के पास से दो अवैध देसी तम्बे, कारतूस के खोखे, जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार बमघर कर ली है. जबकि इस गिरोह के तीन अन्य फरार सदस्यों की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं.

पाकिस्तान के भाईजान को भारत ने नहीं दिया भाव
सिंगापुर, एजेंसी। कश्मीर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के मामले तक तुर्किये हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया है। इसके चलते भारत के साथ तुर्किये के संबंध बिगड़े हैं। हालांकि, तुर्किये के रुख में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है, लेकिन अब वह भारत से संबंधों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। तुर्किये ने कहा कि हम इकलौते देश नहीं हैं, जिसके पाकिस्तान के साथ अच्छे और भाईचारे के संबंध हैं, दुनिया में ऐसे संबंधों वाले अन्य देश भी हैं। सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटिजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के कार्यक्रम में बुधवार (तीन जून) को तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भारत आग्रह किया कि वे अंकारा और नई दिल्ली के संबंधों को पाकिस्तान को सामने रखते हुए न देखें। वहीं, उन्होंने पाकिस्तान के साथ तुर्किये के संबंधों के बचाव में भी ख़लीले दी।

भारत के संबंधों को सुधारने की दिशा में कदम : हकान फिदान ने इस बात पर जोर दिया कि तुर्किये के पास भारत के साथ अच्छे संबंध रखने की पर्याप्त वजह हैं। फिदान ने कहा कि भारत के साथ तुर्की का कोई भी द्विपक्षीय विवाद नहीं है। भारत के साथ हमारा कोई बुरा इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा, ‘कुछ मुद्दों पर रूस के साथ, कुछ मुद्दों पर अमेरिका के साथ, कुछ मुद्दों पर कुछ यूरोपीय देशों के साथ हमारे मतभेद हैं, लेकिन हम एक नकारात्मक मुद्दे को अलग करके सकारात्मक एजेंडा पर आगे बढ़ सकते हैं। मेरा मानना ​​है कि तुर्किये और भारत के बीच भी यही होना चाहिए।’ तुर्किये के विदेश मंत्री की ये दलीलें ऐसे समय में सामने आई हैं, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अंकारा की ओर से पाकिस्तान की खुलकर मदद करने की बात जगजाहिर हो चुकी है। तुर्किये ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को आत्मघाती ड्रोन इहा की बड़ी खेप दी थी। इतना ही नहीं, संयुक्त राष््र से लेकर कई सार्वजनिक मंचों पर तुर्किये की ओर से पाकिस्तान की तरह ही कश्मीर राग अलापा गया है।

भारत ने कैसे दिया सख्त जवाब : गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर उतरने के बाद भारत के साथ तुर्किये के संबंध ठंडे बस्ते में ही रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने पिछले साल राजधानी में आयोजित तुर्किये के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग नहीं लिया । जिससे अंकारा के प्रति नई दिल्ली की नाराजगी स्पष्ट होती है। हालांकि, अप्रैल 2026 में दोनों देशों ने 12वीं विदेश कार्यालय परामर्श बैठक (एफओसी) आयोजित की, जिससे संबंधों में संभावित सुधार का संकेत मिला।

आदिवासी आस्था पर चोट से भड़की हिंसा

जगदलपुर एजेंसी। सड़पाल के बीचोंबीच खड़ी वह छोटी सी झोपड़ी अब गांव के जखम की तरह दिखाई देती है। टूटा दरवाजा धूल में पड़ा है। भीतर बिखरी हैं बाइबल की प्रतियां, हल्की में लिखी मिशनरी संस्था की ‘नवा नियम’। चार दिन पहले तक यहां प्रार्थना की आवाज गुंजती थी, लेकिन 31 मई को हुई हिंसा के बाद आज ऐसा सन्नाटा है कि दूर चरती बकरियों के गले में बंधी घंटियों की आवाज भी साफ सुनाई देती है। हिंसा के बाद गांव के छह परिवार पलायन कर दूसरे गांव में शरण लेने के लिए मजबूर हुए हैं। दोनों पक्षों के 13 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पूर्व सरपंच हिड़मा मंडावी सहित दर्जनों ग्रामीणों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।सुकुमा जिले की पालेम पंचायत का यह छोटा सा गांव इन दिनों केवल हिंसा की वजह से चर्चा में नहीं है।यह उस टकराव की कहानी बन गया है, जो तब जन्म लेता है जब सदियों पुरानी आस्था और नई धार्मिक पहचान आमने-सामने खड़ी हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, यह विवाद एक दिन में पैदा नहीं हुआ। उसकी शुरुआत तब हुई, जब गांव के सिरहा परिवार ने अपनी पारंपरिक आस्था छोड़ दी।आदिवासी समाज में सिरहा केवल पुजारी नहीं, बल्कि देवमुड़ी (आदिवासियों के पूजा स्थल) और सामूहिक आस्था का संरक्षक माना जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि सिरहा पेड़ी की मृत्यु के बाद मिशनरी संस्था के लोगों ने उसके परिवार को समझाया कि उनकी विषतियों का कारण गांव के देव हैं। इसके बाद परिवार चर्च से जुड़ गया। इधर, गांव के देवमुड़ी के पास सिरहा के परिवार की परंपरागत देवमुड़ी अब उजड़ चुकी है।

लोग चर्च जाने लगे और दो फाड़ में बंटा गांव: इसली पेड़ की छांव में बैठे हिड़मा वेत्री कहते हैं, ‘पहले पूरा गांव एक था। सभी देवमुड़ी में साथ पूजा करते थे, फिर धीरे-धीरे लोग चर्च जाने लगे।’ पारंपरिक पूजा, त्योहार और सामूहिक अफ़्छनों से दूरी बढ़ी और देखते ही देखते गांव दो हिस्सों में बंट गया।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्यंग की सत्तारूढ़ ‘डेमोक्रेटिक पार्टी’ ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुक़ाबला गंवा दिया। करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपुल पावर पार्टी (국민힘) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए



मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का

लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली।

झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली।

ट्रंप बैठक में सो रहे थे : अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति की सेहत पर विवाद, रूबियो ने आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत और कार्यक्षमता को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की विदेश मामलों की समिति की सुनवाई के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो और डेमोक्रेट संसद टेड लियो ने रूबियो से पूछा कि क्या उन्होंने कभी ट्रंप को सरकारी बैठकों के दौरान सोते हुए देखा है। इस पर रूबियो ने आरोपों को सिरि से खारिज करते हुए कहा कि यह पूरी तरह गलत है। मैंने उन्हें कभी सोते हुए नहीं देखा। सच तो यह है कि वह बहुत कम सोते हैं। वह मुझे रात 2 बजे और सुबह 5 बजे भी फोन कर लेते हैं। इसके बाद लियो ने एक



माकों रूबियो बोल रहे थे। रूबियो ने आरोपों पर क्या जवाब दिया? लियो ने रूबियो से पूछा कि क्या उन्होंने कभी ट्रंप को सरकारी बैठकों के दौरान सोते हुए देखा है। इस पर रूबियो ने आरोपों को सिरि से खारिज करते हुए कहा कि यह पूरी तरह गलत है। मैंने उन्हें कभी सोते हुए नहीं देखा। सच तो यह है कि वह बहुत कम सोते हैं। वह मुझे रात 2 बजे और सुबह 5 बजे भी फोन कर लेते हैं। इसके बाद लियो ने एक

और वीडियो दिखाया और दावा किया कि ट्रंप कैबिनेट बैठक के दौरान झपकी लेते नजर आए। उन्होंने कहा कि जब युद्ध और शांति जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा हो रही थी, तब राष्ट्रपति सो रहे थे। हालांकि रूबियो लगातार इन दावों को नकारते रहे। उन्होंने कहा कि ट्रंप कभी किसी ब्रीफिंग में नहीं सोए और यह आरोप बेतुका और हास्यास्पद है। रूबियो ने राष्ट्रपति का बचाव करते हुए कहा कि ट्रंप दिन-रात लंबे समय तक काम करते हैं और कई विदेशी दौरे पर उन्होंने उन्हें पूरी उड़ान के दौरान जागते हुए देखा है। लियो ने रूबियो को बताया झूठ इस पर टेड लियो ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि झूठ बोलते रहिए, बस झूठ बोलते रहिए

उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप का नौकरा के दौरान जागे न रह पाना उनकी सेहत और मानसिक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ट्रंप की सेहत को लेकर क्यों हो रही चर्चा यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब 79 वर्षीय ट्रंप की सेहत को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा चल रही है। वहीं टेड लियो ने भी सोशल मीडिया पर ट्रंप के कथित तौर पर झपकी लेने के वीडियो साझा किए हैं। दूसरी ओर, क्वाइड हाउस ने राष्ट्रपति की सेहत को लेकर उठ रहे सवालों को खारिज किया है।

कलेक्टर ने प्राचार्यों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बालिका शिक्षा, स्वच्छ शौचालय और बेहतर शैक्षणिक वातावरण पर दिया विशेष बल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी गुणवत्तापूर्ण एवं परिणाममूलक बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने जुरी में प्राचार्यों की बैठक लेकर शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए बैठक में विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, परीक्षा परिणाम नवाचार गतिविधियों तथा आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। लेक्टर ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य की नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने प्राचार्यों से अपेक्षा की कि वे विद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन



की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें तथा प्रत्येक विद्यार्थी तक बेहतर शिक्षा पहुंचाने के लिए सतत प्रयास करें बैठक में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने तथा परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के

निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और प्राचार्यों के सामूहिक प्रयासों से ही शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं कलेक्टर ने बालिका शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा विद्यालय छोड़ चुकी बालिकाओं को पुनः

शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक एवं स्वच्छ शौचालयों की उपलब्धता नियमित साफ-सफाई तथा आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि सुश्रुति सम्मानजनक और सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण बालिकाओं

की शिक्षा को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण आधार है उन्होंने प्राचार्यों से बालिकाओं को उच्च शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की दिशा में प्रेरित करने का आह्वान किया कलेक्टर ने विद्यालयों में स्वच्छता, पेयजल, खेलकूद पुस्तकालय एवं डिजिटल शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर भी जोर दिया उन्होंने कहा कि बच्चों को पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ-साथ खेल योग सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके बैठक में नवाचार गतिविधियों डिजिटल शिक्षण संसाधनों के उपयोग तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच विकसित करने पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने प्राचार्यों से विद्यालयों

में सकारात्मक एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण निर्मित करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता को पहचानकर उसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी प्राचार्य जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें ताकि जिले के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। बैठक में उपखंड अधिकारी कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं विकासखंड कुसमी के समस्त विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

एसपी समर कैप में बैटन स्टेडियम पहुंचे,बाइक न चलाएं और माता-पिता को हेलमेट पहनने कहें
मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम बैटन में आयोजित समर कैप में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक शिवाजी के. एम. खिल्लाड़ियों के बीच पहुंचे। उन्होंने क्रिकेट फुटबॉल, बैडमिंटन बास्केटबॉल और खो-खो सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण ले रहे बालक-बालिकाओं से बातचीत की एसपी ने खिल्लाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके अभ्यास लक्ष्य और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की उन्होंने खिल्लाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक मजबूती का माध्यम नहीं हैं बल्कि अनुशासन आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता धैर्य और टीम भावना विकसित करने का सबसे प्रभावी जरिया भी हैं उन्होंने सभी खिल्लाड़ियों को नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया कम उम्र में वाहन न चलाने की समझाइश बातचीत के दौरान कुछ कम उम्र के बच्चों ने बाइक चलाने की बात स्वीकार की इस पर एसपी ने उन्हें बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न



चलाने की समझाइश दी उन्होंने कहा कि कम उम्र में वाहन चलाना न सिर्फ कानून का उल्लंघन है बल्कि यह जानलेवा भी साबित हो सकता है एसपी ने बच्चों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के माध्यम से उनके परिवारों तक भी एक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाया उन्होंने कहा कि जब भी माता-पिता दोपहिया वाहन से बाहर निकलें तो बच्चे उन्हें हेलमेट पहनने की याद अवश्य दिलाएं हेलमेट केवल एक नियम नहीं बल्कि जीवन का सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है एसपी ने खिल्लाड़ियों को नशे और गलत आदतों से दूर रहने, मोबाइल और सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करने समेत शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

महान परियोजना कार्यालय में अधिकारी नदारद कुर्सियां सूनी समस्याएं: लेकर भटकते रहे ग्रामीण; बोले-जब आता ताला लगा रहता, किससे मिलूं, समझ नहीं आता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के महान परियोजना कार्यालय में गुरुवार को अव्यवस्था का आलम देखने को मिला सुबह करीब 11 बजे निरीक्षण करने पहुंचे ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी नदारद मिले ताला खुला होने के बावजूद अधिकारियों की कुर्सियां सूनी रहीं, जिससे दूर-दराज से आए लोगों को अपनी समस्याएं बताने में परेशानी हुई ग्रामीणों ने कार्यालय की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं सत्यवान नायक एक ग्रामीण ने बताया कि उनकी जमीन से निकली छोटी नहर से संबंधित समस्या को लेकर वह कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। उनका आरोप है कि बार-बार कार्यालय आने के बावजूद उन्हें कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं



मिलता और उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। **ग्रामीण बोले-जब आता ताला लगा रहता:** सत्यवान ने अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए कहा जब भी मैं सीधी आकर कार्यालय पहुंचता हूं यहां या तो ताला लगा मिलता है या फिर अधिकारी नहीं मिलते आखिर

अपनी समस्या लेकर मैं कहां जाऊं और किससे मिलूं यह समझ नहीं आता गुरुवार को कार्यालय में केवल एक चपरासी मौजूद मिला जिसने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया कार्यालय में मुख्य रूप से कार्यपालन अधिकारी पी.के. त्रिपाठी और एसडीओ रविंद्र भालेकर सहित अन्य अधिकारियों

की पदस्थापना है, लेकिन इनमें से कोई भी उपस्थित नहीं था। **कार्यालयन अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया:** इस मामले में कार्यपालन अधिकारी पी.के. त्रिपाठी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। अधिकारियों की अनुपस्थिति और संपर्क न हो पाने से कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवाल और गहरे हो गए हैं कार्यालय के आसपास मौजूद कुछ लोगों ने दावा किया कि कार्यपालन अधिकारी पी.के. त्रिपाठी नियमित रूप से कार्यालय में नहीं बैठते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वे महीने में कभी-कभार कुछ घंटों के लिए आते हैं और आवश्यक फाइलों पर हस्ताक्षर कर वापस चले जाते हैं। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शासकीय कन्या महाविद्यालय के सामने से हटया गया अतिक्रमण



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक के नेतृत्व में नगर पालिका, राजस्व एवं नजूल विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई कार्रवाई के दौरान शासकीय कन्या महाविद्यालय के सामने

शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया शासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य शासकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा आमजन और छात्राओं के लिए आवागमन को सुगम बनाना है। टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाते हुए संबंधित

लोगों को भविष्य में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करने की समझाइश भी दी डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक ने कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों, शासकीय परिसरों एवं मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए नियमित रूप से कार्रवाई जारी रहेगी उन्होंने नागरिकों से भी सहयोग की अपेक्षा करते हुए सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण में सहभागी बनने की अपील की कार्रवाई के दौरान नगर पालिका, राजस्व एवं नजूल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

लखपति दीदी बन रहीं आत्मनिर्भरता की मिसाल स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने कलेक्टर से साझा किए सफलता के अनुभव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने वनांचल कुसमी के दूरस्थ ग्राम मेड़ना में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं एवं लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी गतिविधियों उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की संवाद के दौरान महिलाओं ने बताया कि समूह के माध्यम से वे विभिन्न आयवर्धक गतिविधियों का सफल संचालन कर रही हैं वर्तमान में आठ चक्की संचालन सेंट्रल कार्य सहित कई स्वरोजगार आधारित गतिविधियों से महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। महिलाओं ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद न केवल



उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है बल्कि उनमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित हुआ है महिलाओं ने कलेक्टर को बताया कि वे बैंक ऋण की मदद से अपने व्यवसाय का विस्तार करने की दिशा में भी कार्य कर रही हैं समूहों द्वारा मुर्गी पालन सहित अन्य आजीविका गतिविधियों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं जिनके माध्यम से भविष्य में रोजगार और आय के नए अवसर सृजित होंगे महिलाओं ने अपनी

सफलता की कहानियां साझा करते हुए बताया कि सामूहिक प्रयास और सरकारी योजनाओं के सहयोग से वे आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रही हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने महिलाओं की पहल और कार्यों की सरहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार आधारित गतिविधियों का विस्तार करने उपलब्ध योजनाओं का लाभ

लेने तथा समूह आधारित उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया उन्होंने कहा कि लखपति दीदियां अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और उनके अनुभव समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई कहानी लिख रहे हैं कलेक्टर ने कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं ग्राम मेड़ना की महिलाओं द्वारा किए जा रहे प्रयास इस दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण हैं, जो यह सिद्ध करते हैं कि अवसर और संकल्प मिलने पर महिलाएं विकास में नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं इस दौरान उपखंड अधिकारी कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में लखपति दीदियां उपस्थित रही।

जिला कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित, अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मानसून एवं संभावित बाढ़ आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना जिला कार्यालय सीधी के भू-प्रबंधन कक्ष में की गई है। डिप्टी कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह व्यवस्था 18 मई 2026 को आयोजित बाढ़ आपदा प्रबंधन एवं मानसून तैयारी समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में की गई है जारी आदेशानुसार अधीक्षक भू-अभिलेख मुनेन्द्र प्रसाद तिवारी को जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए राजस्व निरीक्षक अशोक कुमार चौबे को ड्यूटी लगाई गई है कंट्रोल रूम को 24 घंटे संचालित रखने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी चार पालियों में निर्धारित की गई है। प्रथम पाली रात्रि: 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक द्वितीय

पाली दोपहर 12 बजे से सायं 6 बजे तक तृतीय पाली सायं 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक तथा चतुर्थ पाली रात्रि 12 बजे से प्रातः 6 बजे तक कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार रिजर्व कर्मचारियों की भी व्यवस्था की गई है आदेश में निर्देशित किया गया है कि नामांकित कर्मचारी तीन दिवस के भीतर कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर सॉफ्ट गैप दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। साथ ही जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपने-अपने उपखंड स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं जिला प्रशासन ने मानसून अवधि में बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित सूचनाओं के त्वरित संकलन, समन्वय एवं राहत कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की है।

योग, डिजिटल शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों से समृद्ध हो रहा बचपन कुसमी के बच्चों को मिल रही नई उड़ान, समर कैप में निखर रही प्रतिभाएं

कलेक्टर ने समर कैप का किया निरीक्षण, बच्चों की प्रतिभा और सीखने की लगन की सराहना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बच्चों के सर्वांगीण विकास और रचनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित समर कैप गतिविधियां उत्साहपूर्ण वातावरण में संचालित हो रही हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने कुसमी विकासखंड के पोड़ी में आयोजित समर कैप का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया तथा विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया समर कैप में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से ही बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का उत्साहपूर्वक आयोजन किया जा रहा है योग खेल रचनात्मक गतिविधियां, कंप्यूटर प्रशिक्षण तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में बच्चे बहु-चक्राक भाग ले रहे हैं जिससे उनमें सीखने के प्रति नई



ऊर्जा और उत्साह का संचार हो रहा है निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों को योगाभ्यास करते हुए देखा उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि मानसिक एकाग्रता अनुशासन और आत्मविश्वास का भी विकास करता है। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ

योग की विभिन्न क्रियाओं का प्रदर्शन किया समर कैप में बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा भी प्रदान की जा रही है कलेक्टर ने कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण कर बच्चों से उनके सीखने के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता अत्यंत महत्वपूर्ण है और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को तकनीकी ज्ञान



से जोड़ना उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है इस अवसर पर कलेक्टर ने कुसमी में प्रारंभ किए गए 'उज्ज्वल अभियान' की भी जानकारी ली अभियान के माध्यम से बच्चों और युवाओं को शिक्षा डिजिटल ज्ञान तथा सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं

उन्होंने कहा कि यह पहल दूरस्थ अंचलों के बच्चों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने का कार्य कर रही है और उन्हें आत्मनिर्भर तथा जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित कर रही है कलेक्टर ने समर कैप में बच्चों द्वारा प्रदर्शित उसाह जिज्ञासा और सीखने की अभिरुचि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे

प्रयास बच्चों के व्यक्तित्व विकास, कौशल संवर्धन और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण गतिविधियों और सीखने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपनी प्रतिभा को निखारकर जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकें समर कैप में शिक्षा, खेल योग कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं रचनात्मक गतिविधियों का समावेश बच्चों के लिए सीखने और आनंद का एक सशक्त मंच बन रहा है जो उनके सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम साबित हो रहा है इस दौरान उपखंड अधिकारी शैलेश द्विवेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएँ से हाँफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएँ वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की

प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

सेहत, जैब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है। आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दुध की डेपरी तक जाने के लिए भी लोग तुरत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दैनिक्यां में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिलता अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहीं बड़े-बड़े अधिकारी और सज्ज नगरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते।

कहो तो कह दूँ- घपलों की गंगा में तहसीलदारों ने भी हाथ धो लिए तो क्या गुनाह कर दिया...

चेतन भट्ट
एक खबर आई है प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर से कि वर्ष 2023 और 2024 के सात नामांतरण निरस्त कर दिये गये क्योंकि इन आदेशों के पीछे तहसीलदार महोदय की मनमानी और लापरवाही पाई गयी है। बड़ी ही हैरानी की बात है कि राजस्व विभाग की फाइलों के समुद्र में कलेक्टर साब को डुबकी लगाने के बाद सिर्फ सात मोती मिले अगर वे ईमानदारी से जरा गहराई तक गोता लगायें तो उनके हाथ मोतियों का खजाना लग सकता है। वैसे तो जनता की याददाश्त बेहद कमजोर होती है फिर भी शायद लोगों को याद हो सकता है कि कुछ बरस पहले उस वक्त के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि 1 अप्रैल 2014 से नामांतरण की प्रक्रिया ऑनलाइन हो जायेगी और जैसे ही कोई जमीन मकान या कृषि भूमि का विक्रय होगा, भूमिस्वामी के पक्ष में उसी समय नामांतरण दर्शा दिया जायेगा। इधर पूरे प्रदेश की जनता के चेहरों पर खुशी छा गयी लेकिन तहसीलदारों के चेहरे उतर गये सुना जाता है कि तहसीलदारों ने सरकार से बड़ी मित्रता की कि उनके पेट पे लात न मारी जाये। अगर नामांतरण ही ऑटोमैटिक होने लगेगा तो वे क्या दफ्तर में भविष्यार्थ मारेंगे? फिर उनके बीबी बच्चों का क्या होगा जिन्हें मुफ्त की मलाई खाने की बुरी आदत पड़ चुकी है। सरकार तो बहुत संवेदनशील होती है, उसने इन गरीब और बेचारीयों से भरे आसू बहाते तहसीलदारों की व्यथा सुनकर ऑटोमैटिक नामांतरण मामला ही खत्म कर दिया। मामा जी के प्रस्ताव की फाइल ऐसी गायब हुई कि उसका चर्चा होना ही बन्द हो गया। दरअसल सारे गडबड़ घोटाले की शुरुआत शासन के एक पुराने तुलालकी आदेश से हुई जिसमें किसी भी प्रापर्टी के क्रय विक्रय के साथ उस प्राप्टी का नामांतरण अनिवार्य कर दिया गया था। इसके पालन के लिये कोई मोहलत नहीं दी गई और इसे तत्काल लागू कर दिया गया। सरकार की मशा ठीक थी लेकिन आदेश का तत्काल लागू किया जाना तहसीलदारों के लिये लांटेरी साबित हुआ। किसी के बाप दादों ने पचासों साल पहले जमीनें खरीदी थीं जिनके बेचने वाले और खरीदने वाले सब स्वर्ग सिंघार चूके थे। पेट के अलावा कोई कागजात ही नहीं थे क्योंकि लोग यहीं सोचते थे कि तीन चार पीढ़ी से रह रहे हैं तो कागजों की क्या फिक्र। मगर जब बेचने की बारी आयी तो नामांतरण के लिये तहसीलदारों ने ऐसे ऐसे सबूत मांगे कि लोगों को चक्कर आने लगे यहां तक की स्वर्ग में बैठे उनके पुरखे तक बेचैन हो गए बस, उसके बाद से पटवारियों और तहसीलदारों के दोनों हाथों में लफ्दा आ गए नामांतरण के नाम पर लूट मच गयी। अब इस अफरा तफरी में बेचारे तहसीलदारों से थोड़ी बहुत गलती हो गयी तो क्या मुश्किल है। इतने बड़े देश में जब चारों तरफ घपले घोटाले हो रहे हैं फिर तहसीलदारों ने भी बड़ती गंगा में हाथ धो लिये तो ऐसा कौन सा पाप कर दिया अपना मानना तो ये है कि इस बेहद छोटी सी लापरवाही के लिये बेचारे तहसीलदारों पर कार्रवाई करना एकदम नाजायज है।

सारे ही डिग्री सीएम बना दो: सुना है कि हाल ही में कर्नाटक में सिद्धारमैया जी की जगह डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना दिया गया है बड़े कशमकश के बाद ये मामला सेटल हो पाया, कहा तो यह भी गया था कि दोनों को छईं छईं साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाएगा लेकिन सत्ता की कुर्सी में जो अदृश्य फेविकोल रहता है वह उसे बैठने वाला को इतना कस के जकड़ लेता है कि ना तो वो उठना चाहता है और ना ही वो फेविकोल उसे उस कुर्सी से उठने की इजाजत देता है । बेचारे शिवकुमार लगातार काग्रस की हाई कमान से गुजारिश कर रहे थे कि उनकी भी तो मौका दिया जाए, खैर जब समय आता है तभी काम होता है सो उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ दिया गया, सिद्धारमैया जी को दिखी बुलाने की पूरी स्कीम काग्रस की बना ली थी कि उन्हें राजस्वभा भेज दिया जाएगा लेकिन वे भी पुराने खिलाड़ी हैं राजनीति के, तो इस स्कीम को फेल कर हाई कमान से साफ साफ कह दिया नहीं मैं तो यहीं रहूंगा यानी शिवकुमार जी को चैन से बैठने नहीं दूंगा । पता लगा है कि चार-चार उपमुख्यमंत्री कर्नाटक में बनाए जाने वाले हैं वैसे तो उपमुख्यमंत्री का कोई पद संवैधानिक रूप से होता नहीं है लेकिन राजनीति में लोगों को एडजस्ट करना भी तो बड़ा कठिन काम है जो मुख्यमंत्री के दौड़ में शामिल होता है और नहीं बन पाता उसको उपमुख्यमंत्री बना दिया जाता है अभी तक तो अपने को ये पता था कि जो ज्यादा दमदार होता है और मुख्यमंत्री को अलसेट देने में सक्षम होता है ।

प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

सेहत, जैब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है। आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दुध की डेपरी तक जाने के लिए भी लोग तुरत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये

भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका

संपादकीय

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है।

ललित गर्ग
5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट चेतावनी दे रही है कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु सम्मेलन में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य

निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है।

राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संवाद दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने

कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में वृक्षों संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपचय्य और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, प्रकृति रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती।

दिलीप कुमार पाठक
आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठ होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठ है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठ हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा? हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्ते से रंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे

बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। जरा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठ हो सकता है, लेकिन मुर्माकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में गया उसका कोई भद्रा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके जखम और भी ज्यादा गहरे होते हैं।



डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ग्या

इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के। वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रने से रोकने या उन्हें शांत बैठने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंस्ता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तेदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरुआत हमारे अपने

घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसना-खेलता बच्चा अचानक मूकसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे खंडने या मारने की मलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ दूर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारे और उन्हें खुलकर हंसेना का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और परीसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोगा कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

(लेखक पत्रकार हैं)

नवा तरिया और आजीविका डबरी से मजबूत होगा जल संरक्षण का आधार

मनरेगा के तहत 40 से अधिक तालाब और 300 डबरी निर्माण कार्यों से हजारों ग्रामीणों को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के समन्वय में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जिलेभर में 40 से अधिक नवीन तालाब (नवा तरिया) तथा लगभग 300 आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत करए गए हैं, जिन्हें जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इन जल संरचनाओं के निर्माण से वर्षा जल का व्यापक स्तर पर संग्रहण संभव होगा जिससे भविष्य में जल संकट की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल जल संरचनाओं का निर्माण करना नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुख और सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करना है।

खेतों में बढ़ाई सिंचाई, सुधरेगा भू-जल स्तर: नवा तरिया एवं डबरी निर्माण से वर्षा का पानी गांवों में ही



संरक्षित होगा जिससे भू-जल स्तर में सुधार आएगा और सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल स्रोत उपलब्ध होंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा तथा फसल उत्पादन बढ़ने की संभावना भी मजबूत होगी। विशेष रूप से छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आजीविका डबरी महत्वपूर्ण साबित होगी। किसान अपने खेतों में वर्षा जल का संग्रहण

कर आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई कर सकेंगे, जिससे 'खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सकेगी।

रोजगार के साथ बन रही स्थायी परिसंपत्तियाँ: मनरेगा के 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान के अंतर्गत संचालित इन कार्यों से बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है। प्रतिदिन हजारों श्रमिक निर्माण कार्यों में जुटे हुए

हैं जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है और पलायन की आवश्यकता भी कम हो रही है। जिला प्रशासन रोजगार मूलक कार्यों को जल संरक्षण से जोड़कर ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर रहा है जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक ग्रामीणों को मिलता रहेगा।

जलवायु चुनौतियों से



निपटने में मिलेगी मदद: विशेषणों के अनुसार तालाब, डबरी एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाएं जलवायु परिवर्तन अनियमित वर्षा और बढ़ते जल संकट जैसी चुनौतियों से निपटने में अत्यंत प्रभावी होती हैं इनसे भू-जल पुनर्भरण बढ़ता है पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है और हरित विकास को प्रोत्साहन मिलता है जिला प्रशासन ने ग्राम

पंचायतों एवं ग्रामीणों से अपील की है कि वे जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दें तथा निर्मित जल संरचनाओं के संरक्षण और रखरखाव में सक्रिय भागीदारी निभाएं। प्रशासन का विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों से जिला मनैद्रागढ़-चिरमिरी-भरतपुर जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नई मिसाल स्थापित करेगा।

संकट की घड़ी में बना प्रशासन सहारा : मृतक परिवार को 24 घंटे में 4.25 लाख की आर्थिक सहायता



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड भरतपुर के ग्राम चरखर में मनरेगा योजना अंतर्गत बोल्टर चेकडैम निर्माण कार्य के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से हुई दुखद घटना के तुरंत बाद जिला प्रशासन ने त्वरित राहत और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की मंगलवार 02 जून को हुई इस घटना में ग्राम निवासी सुशीला बाई और उनके पति गेन्दलाल सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि पांच श्रमिक घायल हुए घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने मृतक परिवार को प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मद से 4 लाख रुपये और मनरेगा मद से 25 हजार रुपये की सहायता प्रदान की। इस प्रकार कुल 4.25 लाख रुपये मृतक परिवार को तत्काल उपलब्ध कराए गए बुधवार को कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं जिला दंडाधिकारी घायलों से मुलाकात

करने जनकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने उपचाररत लक्ष्मी सिंह, मायावती सिंह, कलावती सिंह और रामबाई से हालचाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गंभीर रूप से घायल सुभद्रा सिंह को बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया कलेक्टर ने खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमन सिंह को सभी घायलों को आवश्यक उपचार दवाइयां और चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं उनकी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन प्रभावित परिवार और घायलों के साथ खड़ा है और शासन की मंशा के अनुसार हर संभव मदद तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है जला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन की कार्यशैली को प्रदर्शित किया।

स्वच्छता ही सेवा : जनजागरूकता और जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को मिल रही नई दिशा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रागढ़ की ग्राम पंचायत सिरियाखोह के स्वच्छता ग्राहियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए पुनर्चक्रण योग्य कचरे का संग्रहण एवं विक्रय किया तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया स्वच्छता ग्राहियों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई चनवारीडांड को 20 किलोग्राम रंगीन पन्नी, 14 किलोग्राम सफेद पन्नी एवं 14 किलोग्राम प्लास्टिक बोतल सहित कुल 48 किलोग्राम सूखा कचरा विक्रय किया गया। इसके साथ ही घर-घर जाकर ग्रामीणों को सड़क, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों



पर कचरा नहीं फेंकने, घरों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा कचरे का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया इस अभियान की सफलता में क्लस्टर समन्वयक प्रभा प्यासी का विशेष योगदान रहा। उनके अथक प्रयासों, सतत मार्गदर्शन एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक बदलाव

देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वच्छता ग्राहियों के साथ मिलकर लोगों को स्वच्छ वातावरण के महत्व से अवगत कराया तथा कचरा पृथक्करण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की उपयोगिता समझाई अभियान के दौरान सरपंचों एवं सचिवों ने भी ग्रामीणों से गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, घरों से निकलने वाले कचरे को स्वच्छता ग्राहियों को सौंपने तथा

सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य की आधारशिला है। जिला प्रशासन ने जिले वासियों से आग्रह किया है कि वे अपने घर, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। सड़क, नाली, तालाब एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचें तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें जनसहभागिता और जागरूकता से ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर जिले का सपना साकार किया जा सकता है। 'स्वच्छता अपनाएं, कचरा न फैलाएं और स्वच्छ एमसीबी के निर्माण में अपना योगदान दें' इसी संदेश के साथ जिले में स्वच्छता जागरूकता अभियान निरंतर जारी है।

विश्व साइकिल दिवस पर 7 जून को निकलेगी 'संडे ऑन साइकिल' रैली फिट इंडिया मूवमेंट के तहत स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश देंगे नागरिक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व साइकिल दिवस 2026 के अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत विशेष अभियान का आयोजन 07 जून 2026 रविवार को प्रातः 6 बजे से किया जाएगा जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य आमजन में फिटनेस स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है साइकिल रैली का शुभारंभ स्वामी आत्मानंद उल्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, मनेन्द्रागढ़ परिसर से



होगा। रैली निर्धारित मार्ग से होते हुए पीडब्ल्यूडी तिराहा भगत सिंह चौक, विवेकानंद चौक, साई तिराहा एवं खेड़िया टॉकज तक पहुंचेगी तथा पुनः पीडब्ल्यूडी तिराहा होते हुए स्वामी आत्मानंद विद्यालय परिसर में समाप्त होगी इस आयोजन में युवाओं, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा

रही है। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण स्वस्थ जीवनशैली तथा साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश भी दिया जाएगा आयोजन में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों एवं समूहों के लिए पंजीयन अनिवार्य किया गया है इच्छुक प्रतिभागी <http://sN//fitindia.gov.in/worldbi-cycle-day> पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले वासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर फिट और स्वस्थ भारत के संकल्प को मजबूत बनाने की अपील की है।

नदी से नल तक का सफर : जल जीवन मिशन ने मोहनटोला में बदली जिंदगी की धारा

कभी पानी के लिए भटकते थे ग्रामीण, हर आंगन में पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुबह होते ही सिर पर घड़ा और हाथ में बाल्टी लेकर पानी की तलाश में निकलना ग्राम मोहनटोला की महिलाओं की रोजमर्रा की मजबूरी हुआ करती थी कई बार नदी झरने और हैंडपंप तक पहुंचने में घंटों लग जाते थे गर्मी के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। लेकिन आज वही मोहनटोला जल जीवन मिशन की बदौलत बदलाव की नई कहानी लिख रहा है अब गांव के हर घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है और ग्रामीणों की जिंदगी में सुख, सुविधा और सम्मान की नई धारा बह रही है।



विकासखंड भरतपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित मोहनटोला की आबादी 986 है। बड़काटोला बहेराटोला छोटकापारा महौरटोला और सुमनटोला सहित पांच बस्तियों वाले इस गांव में अधिकांश परिवार अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं वर्षों तक यहां के लोग पेयजल के लिए प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर रहे। पानी लाने

की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों के कंधों पर थी जिससे उनका समय और श्रम दोनों खर्च होते थे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत ग्राम मोहन टोला में एकल ग्राम जल प्रदाय योजना का सफल क्रियान्वयन किया गया योजना पूर्ण होने के बाद गांव के सभी 212 परिवारों को घरेलू नल

कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। अब प्रत्येक घर में पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है गांव की निवासी बब्बी बाई बताती हैं कि पहले पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी कई बार सुबह का अधिकांश समय केवल पानी लाने में ही निकल जाता था। अब घर में नल लग जाने से न केवल समय की बचत हो रही है बल्कि परिवार के सभी सदस्यों को स्वच्छ पानी भी मिल रहा है वे कहती हैं कि 'अब पानी की चिंता नहीं रहती बच्चों की पढ़ाई और घर के दूसरे कार्यों के लिए भी समय मिल जाता है।

पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन में 206 नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस प्रशिक्षण शाला (पीटीएस) उज्जैन में नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण के पांचवें सत्र का दीक्षांत समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ इस अवसर पर 206 नव आरक्षकों ने 313 दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्यधारा में प्रवेश किया दसमारीह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन जौन राकेश गुप्ता ने परेड की सलामी ली और प्रशिक्षुओं से परिचय प्राप्त किया उन्होंने नव आरक्षकों से अपेक्षा जताई कि वे अनुशासन समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा में आने वाली चुनौतियों का सामना करेंगे।

मध्यप्रदेश पुलिस की संपत्ति अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई: 79 लाख से अधिक मूल्य की संपत्ति बरामद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है विगत चार दिनों में विभिन्न जिलों एवं रेल पुलिस इकाइयों ने 79 लाख रुपये से अधिक मूल्य की चोरी और लूटी गई संपत्ति बरामद की तथा कई अंतर्राज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया।

गुना और इंदौर में बड़ी सफलता: गुना पुलिस ने चोरी और स्नेचिंग के दो मामलों का खुलासा कर 18.5 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की। इंदौर में जैन मंदिर चोरी के मामले में 13.15 लाख रुपये मूल्य की मूर्तियां चांदी का कलश एवं वाहन जब्त हुएउ बैतुल सागर और खरगोन ने कुल में 9 लाख रुपये की लूट का खुलासा हुआ सागर में 8.57 लाख रुपये की

चोरी की संपत्ति बरामद की गई खरगोन पुलिस ने अस्पताल से ऑक्सीजन पाइप एसी यूनिट और मेडिकल उपकरण सहित 7.8 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की सीहोर, विदिशा अशोकनगर और शिवपुरी विभिन्न मामलों में विद्युत तार, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी जब्त कर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। रेल पुलिस ने अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार कर चलती ट्रेन में चोरी की 2.08 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की प्रदेशभर में मध्यप्रदेश पुलिस आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र के माध्यम से अपराधियों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई कर रही है। इन सफलताओं से अपराधियों में भय पैदा हुआ है और आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास मजबूत हुआ है।

संवाद से संपूर्ण समाधान का सशक्त उदाहरण बना खोहरा का जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

सुशासन तिहार 2026-639 से अधिक आवेदनों का हुआ निराकरण, हजारों ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत खोहरा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर जनसेवा सुशासन और संवेदनशील प्रशासन का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया संवाद से संपूर्ण समाधान की थीम पर आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत खोहरा कुदरा-पी, नेरुआ एवं बरोता सहित चार पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त किया शिविर में 639 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिनमें बड़ी संख्या में आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर



हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई शेष प्रकरणों को समयबद्ध निराकरण के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त नरेन्द्र दुग्गा, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष सुखमंती

सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नीलेश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य यशवती सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे शिविर में राजस्व कृषि स्वास्थ्य महिला एवं

बा विकास समाज कल्याण वन खाद्य पशुपालन आयुष्मान भारत मनरेगा बिहान सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया शिविर में पात्र हितग्राहियों को किसान किताब आयुष्मान कार्ड राशन कार्ड जाँच कार्ड मूंग बीज वॉकर छड़ी फलदार पौधे वन अधिकार ऋण पुस्तिका तथा आवास की चाबी वितरित की गई वहीं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को 60 हजार रुपये का चेक

प्रदान किया गया संभागीय आयुक्त नरेंद्र दुग्गा एवं जनप्रतिनिधियों ने राम साय को मुख्यमंत्री सियान सहायता योजना के अंतर्गत 20 हजार रुपये, राजकली सिंह को मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपये तथा नेहा सिंह को मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 45 हजार रुपये का चेक प्रदान किया शिविर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर संभागीय आयुक्त, कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित ग्रामीणों को नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई।

विश्व पर्यावरण दिवस से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विशेष अभियान चलेगा

कलेक्टर ने अभियान के सफल संचालन के सभी संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के संचालन के संबंध में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित कर सभी सीमा संग्राम आयुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर बालागुरु के. जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव तथा वन मंडल अधिकारी अर्चना पटेल सहित संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर बालागुरु के. ने बैठक आयोजित कर जिले में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 तक संचालित होने वाले विशेष जनकल्याणकारी अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करें। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं योग संबंधी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधि बहने पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि



अभियान की जानकारी आमजन तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। सभी गतिविधियों का आयोजन निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता पूर्वक संपन्न करने के निर्देश भी दिए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान: कलेक्टर बालागुरु के. ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को जिले के प्रत्येक विकास खण्ड नगरीय निकायों में एक पेड़ मां के नाम

अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम 21 जून 2026 तक चलेगा। पौधरोपण अभियान में पीपल, आम, बरगद, नीम आदि के पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का नोडल विभाग पर्यावरण विभाग रहेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, वन, उद्यानिकी इस अभियान को क्रियान्वित करायेंगे।

तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन: कलेक्टर बालागुरु के. ने बताया कि इस दौरान जनकल्याण शिविर 12 से 18 जून 2026 की अवधि में सीहोर जिले के प्रत्येक विकास खण्ड, नगरीय निकाय मुख्यालयों पर आयोजित होंगे जिनमें केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण किए जायेंगे। शिविर 03 दिवसीय होगा। मैदानी अमले के सहयोग से लाभार्थियों को शिविर तक लाने

का कार्य किया जायेगा। आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय बंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी एवं वीबी-जी-रामजी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पंजीयन कराया जायेगा। सी.एम. हेल्प लाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत अभियान अवधि में शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। इन शिविरों में भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विकास एवं प्रगति की प्रदर्शनी जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से आयोजित की जायेगी।

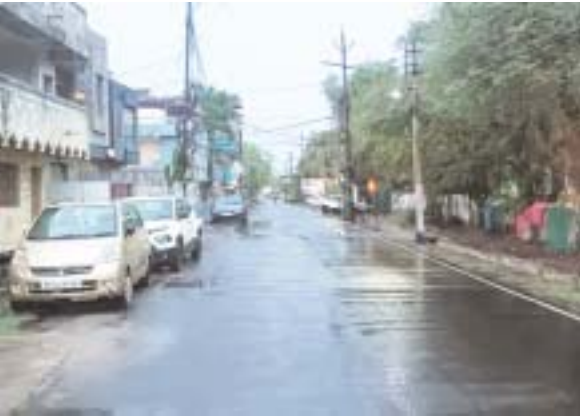
स्वच्छता अभियान

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने बताया कि स्वच्छता अभियान में प्लास्टिक अपशिष्ट की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। इस अभियान में ग्रामीण क्षेत्र के लिए ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय क्षेत्र के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग नोडल विभाग रहेगा। शासकीय कार्यालय भवन, स्कूल भवन, छात्रावास भवन आदि में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। जल स्रोतों के आसपास सफाई एवं गहरीकरण आदि गतिविधियां की जाएंगी।

सीहोर में झमाझम बारिश, गर्मी से मिली राहत

तापमान 40 से गिरकर 22 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहे सीहोर वासियों के लिए आज सुबह की शुरुआत बेहद खुशनुमा रही। तड़के सुबह करीब 3 बजे से लेकर 6 बजे तक शहर और आसपास के इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। इस दौरान रुक-रुक कर हड़ते तेज और मध्यम बारिश ने पूरे वातावरण को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इस अचानक हुई बारिश से लोगों को पिछले कई दिनों से सता रही असहनीय गर्मी और चिपचिपी उमस से बड़ी राहत मिली है। सुबह की ठंडी हवाओं ने वातावरण में ऐसी ठंडक



घोली कि लोग खुशनुमा मौसम का आनंद लेते नजर आए।

40 से सीधे 22 पर आया तापमान: मौसम में आए इस बड़े बदलाव का असर तापमान पर भी साफ देखने को मिला। पिछले 24 घंटों के दौरान जो तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ

था, वह इस बारिश के बाद भारी गिरावट के साथ सीधे 22 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। तापमान में आई इस भारी गिरावट से शहरवासियों को झुलसाने वाली गर्मी से बड़ी निजात मिली है।

सड़कों पर भरा पानी, जनजीवन पर असर: सुबह-सुबह

हुई इस झमाझम बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों और मुख्य सड़कों पर पानी जमा हो गया। अचानक जलभराव होने से सुबह काम पर निकलने वाले लोगों और वाहन चालकों को थोड़ी दिक्कतों का सामना जरूर करना पड़ा, लेकिन गर्मी से मिली राहत के आगे यह परेशानी छोटी नजर आई।

आगे कैसा रहेगा मौसम: मौसम विभाग के अनुसार, हवाओं के रुख और स्थानीय सिस्टम के सक्रिय होने के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। विभाग ने संभावना जताई है कि अभी आने कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा और गरज-चमक के साथ बौछारें गिरने का सिलसिला जारी रह सकता है। यानी सीहोर वासियों को फिलहाल गर्मी से राहत मिलती रहेगी।

रायसेन में 60 किमी/घंटा की रफ्तार से चली आंधी

मीडिया ऑडीटर,रायसेन, (निप्र)। रायसेन जिले में प्री-मानसून गतिविधियों के कारण मौसम लगातार बदल रहा है। बुधवार शाम को जिले के कई क्षेत्रों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। इसके साथ ही गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई, जो देर रात तक जारी रही।

गैरतगंज और सिलवानी में भी तेज बारिश और आंधी का असर देखा गया। बारिश के कारण कुछ सड़कों पर पानी भर गया। पिछले आठ दिनों से जिले में रात के समय रुक-रुककर आंधी-तूफान और बारिश हो रही है। नौतपा के चौथे दिन से मौसम ने करवट ली थी।

इस बदलाव का असर तापमान पर भी पड़ा है। दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से घटकर 37 से



38 डिग्री पर आ गया है, वहीं रात का तापमान 31 डिग्री से गिरकर 24 से 25 डिग्री के बीच बना हुआ है। बारिश और ठंडी हवाओं से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। आसमान में बादल छाप रहने और ठंडी हवा चलने से मौसम सुहावना बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 20 जून के बाद प्रवेश करेगी की संभावना है। इससे पहले प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने की राजस्व प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा

पौधरोपण अभियान तथा जनकल्याण शिविरों के आयोजन हेतु दिए दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्व प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, पेयजल सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को कलेक्टर विश्वकर्मा द्वारा कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित बैठक में तहसीलवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों में अंतिम निराकरण कर आदेश पारित किए जाएं। साथ ही आदेश का पालन कराते हुए राजस्व रिकार्ड में अपडेट कराने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को भी समयावधि के पहले निराकृत कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर विश्वकर्मा ने अधिकारियों से संबल योजना के



पंजीयन प्रकरणों के निराकरण की निष्काय और जनपदवार जानकारी लेते हुए शीघ्रता से निराकरण कराने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में अभी तक हुए पंजीयन की जानकारी लेते हुए कहा कि जिले में 6 हजार पंजीयन का लक्ष्य है जिसके विरुद्ध अभी बेहद कम पंजीयन हुए हैं। सभी सीएमओ तथा संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक श्रमिकों का

पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही एसडीएम को मॉनीटरिंग हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने धारणाधिकार के प्रकरणों, ई-विकास टोकन प्रणाली, पेयजल वितरण की भी समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने 05 जून से शुरू हो रहे पौधरोपण अभियान तथा जनकल्याण शिविरों के आयोजन के संबंध में भी सभी एसडीएम और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

दमोह में अवैध शराब ले जा रही कार पलटी

हादसे के बाद गाड़ी छोड़ भाग गया ड्राइवर, 21पेट्टी शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, दमोह, (निप्र)। दमोह जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध शराब ले जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। यह घटना बुधवार रात फुटेरा चौकी क्षेत्र में हुई। हादसे के बाद कार चालक और उसका साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 21 पेट्टी अवैध शराब जब्त की है।

भगवती मानव कल्याण संगठन की सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने बल्लेनो कार (क्रमांक MP 20 ZB 2224) से 21 पेट्टी अवैध शराब बरामद की। इसके साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गुरुवार दोपहर बटियागढ़ थाना प्रभारी रजनी शुक्ला ने मामले का खुलासा किया। उन्होंने



बताया कि यह अवैध शराब दमोह की ओर ले जाई जा रही थी। पुलिस अब इस बात की जानकारी जुटा रही है कि शराब का परिवहन किस दुकान से किया जा रहा था। भगवती मानव कल्याण संगठन के बटियागढ़ ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह लोधी

ने बताया कि बटियागढ़ क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी लगातार जारी है। संगठन की सूचना पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन के कार्यकर्ताओं ने पहले भी खंडेरी, बटियागढ़ और फुटेरा में अवैध शराब पकड़ी है।

12.5 किलो गांजा, बाइक समेत 3 तस्कर गिरफ्तार

खरगोन से सप्लाई कर खंडवा में बेच रहा था गांजा, दो लोकल पेडलर भी पकड़े गए

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने साढ़े 12 किलो गांजा के साथ 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 80 हजार रुपए का गांजा सहित एक बाइक जब्त की गई है।

टीआई प्रवीण आर्य के अनुसार, 2 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बमनगांव रोड क्षेत्र में गांजा बेचने के लिए आया हुआ है।

सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर दबिश दी और सदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर तलाशी ली। पूछताछ में आरोपी की पहचान सदाशिव सिसोदिया निवासी सोलाना, तहसील गोगावा, जिला खरगोन के रूप में हुई। उसके कब्जे से 9 किलो 990 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की।

पूछताछ में सामने आया कि वह खंडवा शहर में कुछ लोगों को गांजे की सप्लाई करता था। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शहर के दो और पेडलरों को गिरफ्तार किया।



दो स्थानीय पेडलरों से भी मिला गांजा:

पुलिस ने शुभम महेशकर (30) निवासी घासपुरा,

गंज बाजार के कब्जे से 1 किलो 35 ग्राम गांजा और शिवा महेशकर (22) निवासी घासपुरा, गंज बाजार के पास से 1 किलो 25 ग्राम गांजा जब्त किया। तीनों आरोपियों के कब्जे से कुल 12 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही गांजे की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।

आरोपियों का अपराधिक रिकॉर्ड: पुलिस जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी सदाशिव सिसोदिया के खिलाफ गोगावा थाने में मारपीट और अवैध वसूली का मामला दर्ज है।

वहीं शुभम महेशकर कोतवाली थाना क्षेत्र का सूचीबद्ध गुंडा-बदमाश है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो, आबकारी एक्ट का एक और मारपीट के तीन प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया: पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि गांजे की सप्लाई का नेटवर्क किन-किन जिलों तक फैला हुआ है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

छतरपुर में अवैध कच्ची शराब का कारोबार

दलीपुर गांव में खुलेआम बन रही महुआ की शराब पीने से कई लोग बीमार



मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बमनौरा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम दलीपुर में अवैध कच्ची शराब का कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है। गांव के आसपास कबूतरा समुदाय की कुछ महिलाओं द्वारा महुआ लहान से शराब तैयार कर खुलेआम बेची जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और आबकारी विभाग की अनदेखी के कारण यह अवैध धंधा बेखौफ जारी है। ग्रामीणों के मुताबिक, अवैध रूप से तैयार की जा रही इस शराब में किसी भी प्रकार के तय मानकों का पालन नहीं हो रहा है। इससे शराब के जहरीले होने की पूरी आशंका है। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि इस कच्ची शराब के सेवन से क्षेत्र में कुछ लोग बीमार भी पड़ चुके हैं, जिससे गांव में स्थिति गंभीर होती जा रही है।

बिना रोक-टोक चल रहा धंधा, प्रशासन मौन: यह अवैध कारोबार पिछले कई दिनों से बिना किसी रोक-टोक के चल रहा है। प्रशासन और जिम्मेदार विभागों द्वारा अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस अनदेखी से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और गांव में अवैध शराब का दायरा लगातार फैलता जा रहा है।

मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग: ग्रामीणों ने आबकारी विभाग और जिला प्रशासन से मामले की तत्काल जांच करने की गुहार लगाई है। लोगों की मांग है कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर तुरंत सख्त रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। हालांकि, फिलहाल इस पूरे मामले में संबंधित विभागों की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई सामने नहीं आई है।

कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड ने मृदा परीक्षण अभियान तहत किसानों को मिट्टी परीक्षण की जानकारी दी

ग्राम ठर और पीपरहुंडा में मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया



मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड, विदिशा द्वारा मृदा परीक्षण अभियान आयोजित कर किसानों को मिट्टी परीक्षण की जानकारी प्रदान की गई है। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृषको), द्वारा विदिशा के दो ग्राम ठर और पीपरहुंडा में मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। दोनों ग्रामों में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रगतिशील कृषक और अन्य किसान व ग्रामीण जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विकास राणा (क्षेत्रीय प्रतिनिधि प्रशिक्षु), कृषको विदिशा द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए कृषको के स्वर्णिम इतिहास एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक दो वर्ष में खेत की मिट्टी का परीक्षण करवाना आवश्यक है, जिससे भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की स्थिति की सही जानकारी प्राप्त हो सके तथा आवश्यकतानुसार संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग किया जा सके। उन्होंने किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की सही विधि, मृदा परीक्षण से होने वाले लाभ, तथा कृषको द्वारा संचालित निःशुल्क मृदा परीक्षण सेवा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान किसानों को उर्वरकों के उचित एवं संतुलित उपयोग, तरल जैव उर्वरकों के महत्व तथा लाभदायक फफूंद माइक्रोइजा के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही किसानों को भूमि में घटते और्गैनिक कार्बन के स्तर के प्रति जागरूक करते हुए सिटी कम्पोस्ट, गोबर खाद तथा अन्य कार्बनिक उत्पादों के उपयोग की सलाह दी गई। साथ ही किसानों को नवीन ई-टोकन प्रणाली की जानकारी भी प्रदान की गई।

बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण



मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक पुनम तुमरा ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। विद्युत वितरण केन्द्रवार बनाए गये कलस्ट्रॉ पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की बिल, मीटर, सर्विस केबल, कनेक्शन एवं तकनीकी सेवाओं संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 03 जून को ग्राम खंडवा, चरनाल, सोनकछ, सोडी में शिविर लगाकर नागरिकों को बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण किया गया।

आगामी तिथियों में इन स्थानों पर लगेगे शिविर : अभियान के अंतर्गत 04 जून को सीहोर संभाग अंतर्गत ग्राम पिपलिया मीरा, रोला, सेवनिचा, धुनाकली, सीहोर शहर वार्ड नं 24, वार्ड नं 09 एवं आर्य संभाग अंतर्गत भेरूपुर, बिलपान, श्यामपूरा ममारदा में शिविर लगाए जाएंगे।

रतलाम में पहली बार होगा पोरवाल प्रीमियर लीग

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। समाज में खेल भावना, आपसी एकता एवं युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जांगड़ पोरवाल समाज द्वारा जांगड़ पोरवाल प्रीमियर लीग (JPPL)-सीजन 1 का आयोजन पहली बार रतलाम में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का चयन आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन (नीलामी) के माध्यम से किया जाएगा। टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर समाजजनों की बेहक आयोजित की गई। प्रतियोगिता की रूपरेखा, नियमावली एवं आयोजन संबंधी विषयों पर चर्ची हुई। टूर्नामेंट 12, 13 एवं 14 जून को स्टैच टर्फ, कनेरी रोड, रतलाम पर किया जाएगा। टूर्नामेंट में पहली बार पुरुष, महिला व बच्चों तीनों एक साथ शामिल होंगे।

15 मैच होंगे: आयोजन समिति के रकेश पोरवाल ने बताया प्रतियोगिता में कुल 8 टीमें, 72 खिलाड़ी एवं 15 रोमांचक मैच खेले जाएंगे।

बीसीसीआई बैठक में होगा सूर्यकुमार की कप्तानी पर फैसला



वैभव को शामिल करने पर भी होगा विचार

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित की बैठक इस शनिवार को होने जा रही है। इसमें अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति कप्तान सूर्यकुमार यादव के भविष्य को लेकर फैसला करेगी। इस बैठक में तय होगा कि सूर्या आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों में कप्तान रहेगे या नहीं। इसके अलावा इसी बैठक में सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीमों का चयन किया जाएगा। इस बैठक में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टी20 टीम में शामिल किये जाने पर भी बात होगी।

जहां तक सूर्यकुमार की कप्तानी की बात है। पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। आईपीएल में भी वह रनों के लिए जुझते दिखे। ये सही है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप जीतकर उसे बरकरार रखा पर इसमें उनका योगदान बेहद कम रहा। सूर्यकुमार की कमजोर बल्लेबाजी लगातार निशाने पर रही। का आईपीएल 2026 में, उन्होंने 13 पारियों में केवल 270 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 20.76 और स्ट्राइक रेट 147.54 का रहा है। वहीं टी20 विश्व कप में वह नौ पारियों में 242 रन बना पाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट गिरकर 136.72 तक पहुंच गया। सूर्यकुमार का नाम एशियन गेम्स के लिए घोषित 30 संभावित नामों में भी शामिल नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या चयनकर्ता आने वाली कुछ सीरीज के लिए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी का मौका देंगे, या सूर्यकुमार को अनुभव के लिए केवल एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में बनाए रखा जाएगा, खासकर जब उन्होंने 2028 ओलंपिक में खेलने की इच्छा जताई है।



इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

तीन मैचों में केवल 40 रन बना पायीं

टॉटन एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायीं। इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है।

स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

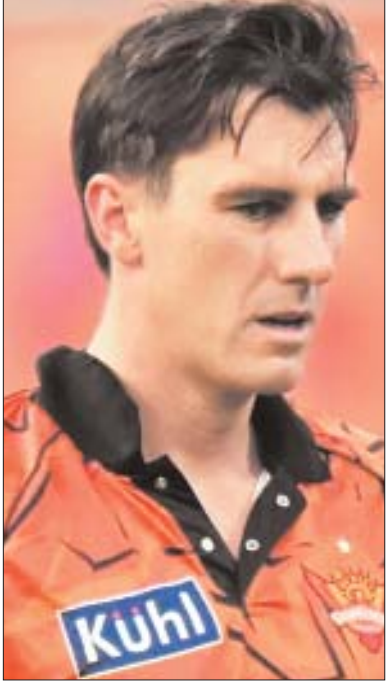
मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है।

अंतिम टी20 में

दूसरी ओर, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने पहले पूरे आईपीएल सत्र में अपनी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया है। वैभव की कालीफायर मुकाबलों में खेली गयी पारी से भी चयनकर्ता काफी प्रभावित हुए हैं। अब देखना होगा कि उन्हें अंतिम ग्यारह में कैसे शामिल किया जाए क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन अच्छे प्रदर्शन के कारण पहले से ही टीम में शामिल हैं।

वहीं मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए, श्रेयस अय्यर और रजत पाटीदार दोनों ही मजबूत दावेदार हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन में दोनों ने अपनी टीमों की शानदार कप्तानी की है। पाटीदार ने इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जिताया है जबकि श्रेयस ने 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया था। दोनों ही खिलाड़ियों की शानदार प्रदर्शन को देखते हुए, चयनकर्ताओं के लिए ये फैसला करना कठिन होगा कि मध्य क्रम में किसे जगह दी जाए, और संभव है कि केवल एक ही खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाए।

इस बीच, चयनकर्ताओं को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीरीज और एशियन गेम्स के लिए टीम चयन को लेकर भी विचार करना होगा। यह एक बड़ा सवाल है कि क्या एशियन गेम्स के लिए टीम चयन को लेकर भी विचार करना होगा। यह एक बड़ा सवाल है कि क्या एशियन गेम्स के लिए भारत अपनी पहली पसंद की टीम भेजेगा या युवा खिलाड़ियों को अवसर देगा। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलेगा या नहीं, यह भी देखने वाली बात होगी।



टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीतेगी खिताब : अंजुम चोपड़ा

अहमदाबाद एजेंसी। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आगामी टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदार बताया है। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड में शुरू होने जा रहा है। अंजुम के अनुसार भारतीय टीम इंग्लैंड के हालातों से परिचित है और ऐसे में उसके लिए वहां खेलना और जीत हासिल करना कठिन नहीं होगा। एकदिवसीय विश्वप में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर अपने को साबित किया था। अब वह एक बार फिर ऐसा ही करेगी। भारतीय टीम 14 जून को बर्मिंघम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

चोपड़ा ने कहा कि टीम की अधिकतर खिलाड़ी पहले भी इंग्लैंड में खेली हैं, जिससे उन्हें वहां के हालातों का अच्छा अनुभव है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और चरणी जैसे खिलाड़ियों का विशेष उल्लेख किया, जिनमें से चरणी अपने छोटें से करियर में ही दूसरी बार इंग्लैंड का दौरा कर रही हैं। पूर्व कप्तान को भरोसा है कि भारतीय टीम शीर्ष चार में जगह बनाने के साथ ही शीर्ष दो में भी पहुंचकर खिताब जीतेगी।



टूर्नामेंट से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के फिट होने से भी टीम मजबूत हुई है। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने वापसी करते ही इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 40 गेंद में 54 रन बनाए थे।

अंजुम का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप में अधिक लचीलापन अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा है कि यास्तिका रन बना रही है, लेकिन दूसरे मैच में वह लंबी पारी खेलने से सतर्क रहना होगा।



फीफा विश्वकप में खेलते नजर आरेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता एजेंसी। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरू हो रही फीफा विश्वकपक फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं। देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमों विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ,

लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसकों को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह :न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सोनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में

तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-ईंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

एकदिवसीय विश्वकप और एशेज को देखते हुए अगले साल कमिंस का आईपीएल खेलना संदिग्ध

सिडनी एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह अगले साल व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम को देखते हुए शायद ही आईपीएल खेलें। कमिंस के अनुसार उनकी पहली प्राथमिकता ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलना है। ऐसे में साल 2027 में एकदिवसीय विश्वकप कप और एशेज सीरीज को देखते हुए वह आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। कमिंस के अनुसार वह टेस्ट मैच और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी लिए फिटनेस बनाये रखना जरूरी है। ऐसे में वह कार्यक्रम प्रबंधन को सबसे ज्यादा जरूरी मानने हैं। वहीं आईपीएल में खेलने से थकान और चोटिल होने का खतरा बना रहता है। कमिंस अभी अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले घरेलू टेस्ट मैच

से पहले अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं। इसके बाद, अगले एक साल में 21 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में कालीफाई करने का अवसर भी रहेगा। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हैं। ऑस्ट्रेलिया का यह व्यस्त कार्यक्रम 2027 में एकदिवसीय विश्व कप के साथ समाप्त होगा। वहीं मार्च में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच भी होगा। इसी बीच आईपीएल भी पड़ेगा। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज खेली जाएगी। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के लिए सीरीज को जीतना चाहते हैं। इसका कारण है कि टीम ने साल 2001 के बाद से ही कोई सीरीज नहीं जीती है।

कमिंस ने कहा कि फिटनेस बनाये रखने के लिए न किसी स्तर पर कुछ न कुछ छोड़ना ही पड़ेगा और वह टेस्ट मैच या एकदिवसीय विश्व कप तो नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, मैं समय आने पर ही फैसला लूंगा और आईपीएल फेंचाइजी के साथ मिलकर देखूंगा कि क्या सही रहेगा। हालात बदल सकते हैं। मुझे कुछ चोटें भी लगी हैं, इसलिए मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह चाहता। हालांकि उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता हमेशा से ही टेस्ट मैच और एकदिवसय विश्व कप ही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के खिलाफ घर से दूर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के बाद उन्हें बेहद कठिन एशेज सीरीज से पहले आराम की जरूरत पड़ सकती है।

44 की उम्र में क्रीस क्लब टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर रही सेरेना

न्यूजर्सी एजेंसी। अमेरिकी की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स 44 साल की उम्र में एक बार फिर टेनिस कोर्ट में वापसी करने जा रही हैं। सेरेना ने अपनी अंतिम टूर्नामेंट चार साल पहले 2022 में खेला था यूपएस ओपन 2022 में अपना आखिरी पेशेवर एकल मैच खेलने के बाद से ही सेरेना खेल से दूर हैं हालांकि उन्होंने अधिकारिक रूप से संन्यास की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह बेहतर होने के लिए खेल से दूर हुई हैं। वहीं अब सेरेना ने 8 जून से लंदन में होने वाले क्रीस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में खेलने की घोषणा की है। ये बिंबलडन के लिए अभ्यास टूर्नामेंट माना जाता है। सेरेना की वापसी की घोषणा के बाद से ही उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। सेरेना के नाम ओपन युग में महिला एकल में रिकॉर्ड 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। सेरेने ने अमेरिकी ओपन 2022 को अपना अंतिम टूर्नामेंट बताया था, यह कहते हुए कि वह खेल से दूर एक नए अध्याय की शुरुआत करना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने संन्यास की घोषणा नहीं की थी जिससे उनकी वापसी की अटकलें हमेशा बनी रहीं। सेरेना अमेरिकी ओपन में तब तीसरे दौर में हार गई थीं हालांकि अब वह एक बार



फिर कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार हैं जो उनके भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लग गया है।

क्रीस क्लब में अपनी वापसी की घोषणा करते हुए, विलियम्स ने कहा, क्रीस क्लब इस नए अध्याय की शुरुआत के लिए एकदम सही जगह लगती है। घास के कोर्ट ने मुझे मेरे करियर के कुछ सबसे यादगार पल दिए हैं, और मैं खेल के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक पर वापस प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हूं। क्रीस क्लब नामी ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट है जो 8 से 21 जून तक चलेगा।

क्रिकेट के बदलते स्वरूप के अनुसार ढलना होगा: सचिन

मुम्बई एजेंसी। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने युवा खिलाड़ियों से कहा है कि उन्हें आगे बढ़ना है तो खेल के बदलते स्वरूप के हिसाब से ढलना होगा। तेंदुलकर के अनुसार आज हर प्रारूप बदलता जा रहा है ऐसे में खिलाड़ियों को अपने अंदाज में भी बदलाव लाना होगा तभी वे टीम को जीत दिला सकेंगे। तेंदुलकर ने कहा कि आधुनिक खेल में नियम और प्रारूप तेजी से बदल रहा है और जो खिलाड़ी इससे अनुसार ढल जाएंगे। वहीं लंबे समय तक खेल सकता है। इसलिए जरूरी है कि उभरते खिलाड़ी इसके लिए तैयार रहें

अन्होंने कहा , एक बल्लेबाज के लिए सभी प्रारूपों में ढलने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण



चीज है वह है बैकलिफ्टहै। उन्होंने साथ ही कहा कि जो इसपर नियंत्रित करना सीख जाता है, वह सभी प्रारूपों में सफल हो सकता है। इसका कारण है कि टेस्ट क्रिकेट में कई चीजों की परीक्षा होती है। ऐसे में हालात के अनुकूल

ढलना होता है। टी20 में आक्रामक खेल की जरूरत होती है। वहीं एकदिवसीय इन दोनों के बीच का प्रारूप है। सचिन ने कहा इन हालातों में मेरा मानना है जो खिलाड़ी का सम्मान करता है और उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता है। वह उस खिलाड़ी से कहीं बेहतर है जो अधिक प्रतिभाशाली होने के बाद भी हालात को मानने को तैयार नहीं होता और अपने अनुसार खेलता है। सचिन ने यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट में एक खिलाड़ी को गेंद को रक्षामक रूप से खेलना आना चाहिये। जब तक वे फंटे फुट पर अच्छी गति के खिलाफ सही तरीके से बचाव करते रहेंगे, वे किसी भी स्तर पर, खासकर टेस्ट क्रिकेट में सफल होंगे।

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञानंदा नें कार्लसन को फिर दी मात , 19 साल बाद एक खिलाड़ी से दो बाजियाँ हारे कार्लसन

ओस्लो , नॉर्वे एजेंसी। नॉर्वे शतरंज 2026 में आठवे राउंड में एक बार फिर भारत के प्रज्ञानन्दा नें शानदार खेल दिखाया उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पराजित कर दिया करीब दो दशक में यह पहला मौका है जब कार्लसन किसी एक खिलाड़ी से एक ही प्रतियोगिता में दो बाजियाँ हारे है इससे पहले लीनोरेस 2005 में वह भारत के उस समय के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद



से दो बाजियाँ हारे थे , इस जीत से प्रज्ञानन्दा 12 अंकों के साथ सीधे

तीसरे स्थान पर पहुँच गए है और आने वाले दो राउंड उन्हें विजेता भी बना सकते है , वहीं वर्तमान विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश को एक बार फिर ड्र चल रहे मुकाबले में फ्रांस के अलरीजा फ़िरोज़ा से हार का सामना करना पड़ा है अलरीजा अब 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि टाईब्रेक में जर्मनी के विंसेंट केनर को मात देकर यूपएस के वेस्ली सो 14 अंकों के साथ पहले स्थान पर चल रहे है ।

3 माह से अधिक समय तक लंबित नहीं रहे सीमांकन के प्रकरण 15 जून तक लंबित सभी सीमांकन के प्रकरण निराकृत करें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरुवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक में कहा कि राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करें कि कोई भी सीमांकन का प्रकरण 3 माह से अधिक समय तक लंबित नहीं रहे उन्होंने फर्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित गति लाने के साथ ही आरसीएमएस पोर्टल और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सीमांकन के सभी लंबित प्रकरणों को 15 जून तक निराकृत कर लेने के निर्देश दिये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिंहाडिया, एलआर जांगडे, सुमेश द्विवेदी, सुभाष मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर संदीप परसे, तहसीलदार एवं सभी नायब तहसीलदार उपस्थित रहे कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयवार आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज और निराकृत प्रकरणों की समीक्षा की। बताया गया कि पोर्टल पर कुल दर्ज प्रकरणों का निराकृत प्रतिशत 52.7 है कलेक्टर ने इसमें और अधिक प्रयास करने के निर्देश दिये। आरसीएमएस पोर्टल पर सीमांकन के 4483 प्रकरण दर्ज हुए जिनमें 3202 का निराकरण किया गया सीमांकन के



अभी भी 1281 प्रकरण लंबित पाये गये। कलेक्टर ने सभी लंबित प्रकरणों को 15 जून तक निराकृत कर लेने के निर्देश दिये। लोक सेवा गारंटी के तहत सीमांकन के 262 प्रकरण, नामांतरण के 21 अभिलेख दुरुस्ती के 31 और बंटवारा के 15 प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज पाये गये। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन, आरसीएमएस पोर्टल और लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत सभी दर्ज सीमांकन के प्रकरण 15 जून तक निराकृत करें फर्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के दौरान जिले में 809213 भूस्वामियों के विरुद्ध 211987 फर्मर रजिस्ट्री कम्पलीट पाई गई। फर्मर

रजिस्ट्री में जिले की औसत प्रगति 26.20 प्रतिशत रही जबकि राज्य की औसत प्रगति 35.36 प्रतिशत है कोटर तहसील में 36 प्रतिशत और नागौद में 31 प्रतिशत की प्रगति औसत प्रगति के करीब पाई गई है। कलेक्टर ने कहा कि फर्मर रजिस्ट्री कार्य में रणनीति बनाकर एसडीएम प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि ई-विकास पोर्टल से खाद वितरण कार्य में भी फर्मर रजिस्ट्री की महत्वपूर्ण भूमिका होगी खरीफसीजन की तैयारियों के पहले फर्मर रजिस्ट्री का काम शत-प्रतिशत रूप से पूरा करे कलेक्टर ने तहसीलवार फर्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के



दौरान पटवारी हल्का में की गई फर्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की रघुराजनगर नगरीय तहसील में सबसे कम 12 प्रतिशत की प्रगति पाई गई इसी प्रकार रघुराजनगर ग्रामीण के बाबूपुर हल्के में 337 भूस्वामियों में से 4 और मझबोगवां के 84 भूस्वामियों में से मात्र 4 भूस्वामियों की फर्मर रजिस्ट्री किये जाने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता व्यक्त की। इसी प्रकार शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों के रघुराजनगर तहसील के पटवारी हल्का करही हरमल्ला, मटेहना गिदुरी, इटौरा, अमौधा खुर्द में भी न्यून संख्या में फर्मर रजिस्ट्री कम्पलीट पाई गई है। फर्मर

रजिस्ट्री में सतना जिले का स्थान बाटम में चौथे स्थान पर है। कलेक्टर ने कहा कि फर्मर रजिस्ट्री कार्य में अपेक्षित प्रगति लाकर जिले की टाप 10 से 20वें स्थान पर लाने का प्रयास करें राजस्व अधिकारियों की बैठक में स्वामित्व योजना, मानसून की तैयारी नक्शा विहीन ग्राम, लंबित राहत प्रकरण न्यायालयों में दर्ज राजस्व संबंधी प्रकरणों की स्थिति पर भी समीक्षा की गई एसएलआर एलएम पाण्डेय ने बताया कि सतना जिले के 89 ग्राम के नक्शे आनलाइन अपलोड हो गये हैं। शेष 14 नक्शे अपलोड किये जाने की प्रक्रिया में है।

जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 5 से 21 जून तक विशेष अभियान चलाया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा सामान्य प्रशासन विभाग ने विशेष अभियान के लिए सभी संभाग आयुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश जारी किए हैं। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को प्रत्येक विकास खण्ड/नगरीय निकायों में एक पेड़ मां के नाम; अभियान संचालित किया जाएगा इस अभियान में विद्यालयों/महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ जाएगा कार्यक्रम 21 जून 2026 तक चलेंगे पौधरोपण अभियान में पीपल आम, बरगद, नीम आदि के पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा इस कार्यक्रम का नोडल विभाग पर्यावरण विभाग रहेगा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, वन उद्यानिकी इस अभियान को क्रियान्वित करेंगें। स्वच्छता अभियान में प्लास्टिक अपशिष्ट को सफाई पर विशेष ध्यान दिया जायेगा इस अभियान में ग्रामीण क्षेत्र के लिए ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय क्षेत्र के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग नोडल विभाग रहेगा शासकीय कार्यालय भवन, स्कूल भवन, छात्रावास भवन आदि में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा जल स्रोतों के आसपास सफाई एवं गहरीकरण आदि गतिविधियों की जाएंगी तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन इस दौरान जनकल्याण शिविर 12 से 18 जून 2026 को अर्वाधि में जिले के प्रत्येक विकास खण्ड/नगरीय निकाय मुख्यालयों पर आयोजित होंगे जिनमें केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण किए जाएंगे शिविर 03 दिवसीय होगा मैदानी अमले के सहयोग से लाभार्थियों को शिविर तक लाने का कार्य किया जायेगा। आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी एवं वीबी-जी-रामजी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पंजीयन कराया जायेगा।

सिंधु विकास समिति के आह्वान पर 23 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर निभाई भागीदारी, मानव सेवा का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सामाजिक सेवा और मानव कल्याण के उद्देश्य से कार्यरत सिंधु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी के आग्रह पर मई माह के दौरान 23 रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस अभियान में युवाओं, महिलाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया संस्था के मीडिया प्रभारी अमित कामराणी ने बताया कि मई माह में मोहम्मद बाबर खोखर, विवेक टेकवानी, रवि तोलवानी, विपिन सिंह, कामता प्रसाद पांडे, सूरज चौधरी, चिराग सुखदानी, धीरज चोपड़ा, अमन अग्रवाल, रेवती रमन सिंह,



नारायण सिंह, अमित तोलवानी, रोहित आतानी, शिवभान सिंह, निक्की मनचंदानी, देवेंद्र सोनी, आलोक जी, केशव दौलतानी, दीपक मंभनानी, राहुल शुक्ला, उमेश सेन एवं दिलीप पांडे सहित कुल 23 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर ईसाियत का सच्चा धर्म निभाया रक्तदान अभियान को

सफल बनाने में मोना चोपड़ा, डॉ. दीपक सोई, मनीष सदानी, अमित घोगवानी, बंसी नागदेव, आशीष मोगिया, सागर जसवानी, रंजीत सेनानी, संदीप तोलवानी तथा महेश रावलानी का उल्लेखनीय योगदान रहा। इनके सहयोग से अनेक जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त

उपलब्ध कराया जा सका इस अवसर पर समिति अध्यक्ष विनोद गेलानी ने सभी रक्तवीरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में नई आशा का संचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान न केवल मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होता है बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है रक्तदाताओं ने समाज के अन्य लोगों से भी समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की। वहीं संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों और सहयोगियों ने सभी रक्तवीरों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा इस सेवा कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

प्यारा सा मुखड़ा, घुंघराले केश, हमारा प्यारा श्याम नरेश

सनातन भक्ति महोत्सव का भव्य समापन, खाटू श्याम भजन संध्या में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुज्य बाबा मेहर शाह दरबार में महंत स्वामी पुरुषोत्तमदास जी के सान्निध्य में आयोजित सनातन भक्ति महोत्सव का समापन भव्य खाटू श्याम भजन संध्या के साथ हुआ यह कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ दरबार के प्रमुख प्रवक्ता राजकुमार बजाज ने बताया कि समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति इतनी विशाल थी कि परिसर में कहीं भी छूटने होने के लिए स्थान नहीं बचा। दूर-दूर से आए भक्तजन पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति रस में डूबकर बाबा श्याम के भजनों का आनंद लेते रहे जयकारों और तालियों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय उर्जा से भर उठा भक्तों के चेहरे पर उत्साह,श्रद्धा और प्रेम साफ दिखाई दे रहा था डुंजिससे स्पष्ट हो गया कि पुज्य मेहर शाह



दरबार के प्रति लोगों का विश्वास दिन-प्रतिदिन और अधिक मजबूत हो रहा है इस अवसर ने यह भी सिद्ध कर दिया कि दरबार सनातन धर्म हिंदुत्व और सामाजिक जागरण के प्रति समर्पित भाव से कार्यरत है भजन संध्या में उपस्थित जनसमूह को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे खाटू श्याम जी का दिव्य दरबार सतना में साकार हो गया हो। भक्तजन भजनों पर झुमते नाचते और जयकारे लगाते हुए भावविभोर दिखाई दे रहे थे कार्यक्रम के दौरान

पुज्य महंत स्वामी पुरुषोत्तमदास जी महाराज ने भी भक्तों की अपार श्रद्धा से प्रभावित होकर स्वयं मधुर स्वर में भजन प्रस्तुत किया। उनके भजन ने पूरे वातावरण को और अधिक भक्तिमय एवं भावनात्मक बना दिया निस्संदेह यह भव्य आयोजन श्रद्धा भक्ति संगठन शक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति महंत जी के समर्पण का एक अविस्मरणीय उदाहरण बन गया इसकी मधुर स्मृतियां श्रद्धालुओं के हृदयों में लंबे समय तक जीवंत रहेंगी।

विधायक के गढ़ में भाजपा को शिकस्त कांग्रेस दूसरे और भाजपा तीसरे स्थान पर रही

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले की नगर परिषद नागौद के वार्ड क्रमांक 13 में हुए उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद मुस्ताक चन्दी ने पार्षद पद पर जीत दर्ज की है उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी सोहराब को 67 मतों के अंतर से हराया है पूर्व मंत्री और वर्तमान भाजपा विधायक नागेन्द्र सिंह के गृह क्षेत्र में हुए इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को करारी हार का सामना करना पड़ा है और वे तीसरे स्थान पर रहे। गुगुवा को हुई मतगणना के बाद आए इन नतीजों को भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है गुरुवार को हुई मतगणना के आंकड़ों के अनुसार वार्ड क्रमांक 13 में कुल 1184 मत डाले गए थे। इसमें विजेता निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद मुस्ताक चन्दी को सबसे अधिक 462 मत प्राप्त हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी

सोहराब को 395 वोट मिले और वे दूसरे स्थान पर रहे वहीं सत्ताधारी दल भाजपा के प्रत्याशी बंशरूप तिवारी महज 318 मतों के साथ तीसरे स्थान पर सिमट गए शपथ पत्र में जानकारी छिपाने पर शून्य हुआ था निर्वाचन इस वार्ड में उपचुनाव इसलिए कराया गया क्योंकि पूर्व निर्वाचित पार्षद सोहराब का निर्वाचन न्यायालय द्वारा शून्य घोषित कर दिया गया था। सोहराब पर चुनाव लड़ते समय अपने शपथ पत्र में कई महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाने का गंभीर आरोप था। मामला न्यायालय पहुंचने के बाद उनका निर्वाचन रद्द कर दिया गया था जिसके चलते यहां दोबारा मतदान हुआ दलों से ऊपर उठकर निर्दलीय पर जताया भरोसा उपचुनाव के नतीजों में मतदाताओं ने प्रमुख राजनीतिक दलों के बजाय एक निर्दलीय प्रत्याशी पर अपना भरोसा जताया है।

कलेक्टर की उपस्थिति में डीएसआर तकनीक का प्रदर्शन किसानों को दी गई जानकारी



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में खरीफ 2026 सीजन के तहत डीएसआर (डायरेक्ट सीडेंड राइस) विधि से धान की बुवाई को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस क्रम में 3 जून 2026 को जनपद उचेहरा के ग्राम मझगवां में आयोजित

कार्यक्रम में कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डीएसआर विधि से धान बुवाई के प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। अधिकारियों द्वारा मल्टीक्रॉप प्लांटर की कार्यप्रणाली को विस्तृत जानकारी लेते हुए किसानों को इसकी उपयोगिता समझाई गई।



किसानों को शासकीय अनुदान पर उपलब्ध बहुउद्देशीय बुवाई यंत्रों का अधिकाधिक उपयोग करने की सलाह दी गई जिससे एक ही मशीन से विभिन्न फसलों की बुवाई संभव हो सके। मल्टीक्रॉप प्लांटर के माध्यम से धान सहित अन्य फसलों की बुवाई पौध से पौध एवं कतार से कतार की

निर्धारित दूरी पर की जा सकती है जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है यह यंत्र सीडकम फर्टिलाइजर ड्रिल की आवश्यकता को भी पूरा करता है तथा इसमें मल्टीक्रॉप प्लांटिंग एवं रेज्ड बेड अटैचमेंट भी जोड़े जा सकते हैं। इस तकनीक के उपयोग से धान की पारंपरिक रोपाई में आने वाली समस्याओं का समाधान संभव है। कार्यक्रम में किसानों को खरपतवार नियंत्रण से संबंधित समस्याओं के प्रभावी निराकरण हेतु भी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सहायक कृषि यंत्री सतना द्वारा बताया गया कि बुवाई संभव हो सके। मल्टीक्रॉप प्लांटर के माध्यम से धान सहित अन्य फसलों की बुवाई पौध से पौध एवं कतार से कतार की प्रेरित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में शिक्षकों व कर्मचारियों के स्थानांतरण आवेदन 3 से 8 जून तक ई-एचआरएमएस पोर्टल पर होगी प्रक्रिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शासन की स्थानांतरण नीति 2026-27 के तहत जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने स्थानांतरण आवेदनों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वीच्छिक स्थानांतरण के आवेदन 3 जून से 8 जून तक ई-एचआरएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे आवेदक स्थानांतरण के लिए अधिकतम 15 कार्यालयों/संस्थाओं का चयन कर सकेंगे। आवेदन में दर्शाए गए कारणों के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज पीडीएफ स्वरूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा, जिनका आकार अधिकतम 2 एमबी निर्धारित किया गया है। एक बार आवेदन सबमिट होने के बाद उसमें किसी प्रकार का

संशोधन नहीं किया जा सकेगा। विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि आवेदन में गलत जानकारी देने या सत्यापन में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी एवं सत्यापन अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी पोर्टल पर प्रदर्शित रिक्रिया अस्थायी (टेंटेटिव) होंगी और समय-समय पर अपडेट की जा सकेंगी। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों के स्थानांतरण केवल उनके विषय की रिक्रिया पर ही किए जाएंगे वहीं प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक संवर्ग के प्रशासनिक एवं स्वीच्छिक स्थानांतरण परीक्षा अवधि के दौरान नहीं किए जाएंगे जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 5 जून 2026 तक ई-एचआरएमएस पोर्टल पर सभी रिक्त पदों की सही जानकारी दर्ज एवं सत्यापित करें।